(An India Newspaper)

यूथ ऑरा
YOUTH AURA
इनोवेशन.ट्रांसफॉर्मेशन.ऑटोमेशन

(Sponsored by) SPYeye® SOLUTIONS
TRANSFORMATION AUTOMATION INNOVATION

वर्ष:01 | अंक : 9 | मंगलवार, 7-13 अक्टूबर 2025 | हिन्दी साप्ताहिक | मुल्य 02 रुपये | मुख्य सम्पादकः लव जैन | RNI. NO.: HRBIL/25/A1127 | पृष्ठः 8

अवेयरनेस, एक्सेस और एक्शन के मंत्र के साथ हर नागरिक पा सकता है अपना पैसा वापस : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

गांधीनगर/नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि अगर तीन 'ए' अवेयरनेस, एक्सेस और एक्शन को पूरा किया जाए तो सेफ कस्टडी में पड़े धन को उचित दस्तावेजों के साथ नागरिकों द्वारा सही तरीके से क्लेम किया जा सकता है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुजरात के गांधीनगर में वित्तीय क्षेत्र में अनक्लेम्ड एसेट्स के कुशल एंव त्वरित निपटान को सुगम बनाने के लिए 'आपकी पूंजी आपका अधिकार' अभियान का शुभारंभ किया। यह अक्टूबर से दिसंबर तक चलने वाला तीन महीने का एक राष्ट्रव्यापी जागरुकता अभियान है। कार्यक्रम में अपने संबोधन में वित्त मंत्री ने कहा कि मैं आप सभी से आग्रह करती हूं कि आप इस अभियान के एम्बेसडर बनें, अपने परिचित लोगों से संपर्क करें। उनसे पूछें कि क्या उनके पास किसी अनक्लेम्ड फाइनेंशियल एसेट्स का कोई कागज है। अगर उन्हें ऐसे पेपर्स की जानकारी लोगों से मिलती है तो दूसरों को पोर्टल पर रजिस्टर करने के लिए मार्गदर्शन करें ताकि लोग अपनी संपत्ति का दावा कर सकें।

वित्त मंत्री ने जोर देते हुए कहा, 'इस पहल से अनगिनत नागरिकों को लाभ होने की उम्मीद है। मैं आपसे विनम्र निवेदन करती हूं कि आप अपने समुदायों और आस-पास के इलाकों में इस अभियान के बारे में प्रचार करें।' वित्त मंत्री ने पीएम मोदी का आभार जताते हुए कहा कि मैं उनकी आभारी हूं कि उन्होंने मुझे एक बार यह सलाह दी कि मैं लोगों के बीच जाऊं और उन्हें उनके हक को पाने के लिए उनका आह्वान करूं।

उन्होंने कहा, 'पीएम मोदी की सलाह पर अमल करते हुए, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि गुजरात ने इस अभियान को शुरू करने में अग्रणी भूमिका निभाई है।' वित्त मंत्री ने कहा, 'वित्त मंत्रालय, नियामकों, राज्य सरकारों और गांवों के बैंकों सहित सभी के सम्मिलित प्रयासों से अगर पूरी श्रृंखला सक्रिय हो जाए, तो हर कोई अपना पैसा वापस पा सकेगा। यह न केवल हमारा आश्वासन है, बल्कि हमारा कर्तव्य भी है।'

निर्मला सीतारमण ऑफिस की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा गया है कि अनक्लेम्ड फाइनेंशियल एसेट्स अक्सर जागरुकता और आउडेटेड अकाउंट डिटेल्स की वजह से अनक्लेम्ड रह जाते हैं, जिसमें इंश्योरेंस पॉलिसी क्लेम, बैंक डिपॉजिट, डिविडेंट, शेयर और म्यूचुअल फंड की आय शामिल है।

इस अभियान के दौरान, नागरिकों को उनके अनक्लेम्ड एसेट्स, अपडेट रिकॉर्ड, क्लेम प्रक्रिया को पूरा करने के तरीकों को लेकर तत्काल मार्गदर्शन दिया जाएगा। साथ ही, डिजिटल टूल्स और स्टेप-बाय-स्टेप प्रदर्शन भी प्रदर्शित किए जाएंगे।

एस-400 की नई खेप खरीदने की तैयारी में भारत

ऑपरेशन सिंदूर में पाक को पस्त कर जीता था भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के हमलों को विफल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम पर सेना का भरोसा बढ़ गया है। इस मामले से परिचित लोगों के मुताबिक भारत इन एयर डिफेंस सिस्टम की नई खेप खरीदने पर विचार कर रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि राष्ट्रपति पुतिन की दिसंबर में होने वाली भारत यात्रा के दौरान इस डिफेंस सिस्टम की खरीद पर बातचीत हो सकती है। हालांकि सूत्रों का कहना है कि भारत एस-400 के एडवांस वर्जन

एस-500 को खरीदने पर भी विचार कर सकता है। वायुसेना चीफ एयर मार्शल एपी सिंह ने भी इस मामले पर अपनी राय रखी हालांकि उन्होंने सीधे-सीधे कोई जवाब नहीं दिया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत नई एस-400 डिवाइस खरीदने के बारे में सोच रहा है। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जाहिर है, इससे हमें अच्छा परिणाम मिला है। इसलिए, हमें ऐसे और सिस्टम्स की जरूरत है। आप कितनी खरीद सकते हैं, इसकी कोई सीमा नहीं है। फिर से मैं इस बारे में चुप रहूंगा कि योजना क्या है, क्या हम और अधिक खरीदना चाहते हैं या नहीं।

हमास गाजा पर कब्जा छोड़ेगा, बंधक रिहा होंगे

ट्रम्प की धमकी के बाद सीजफायर पर हुआ राजी

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की धमकी के 6 घंटे बाद हमास गाजा में सीजफायर को तैयार हो गया है। हमास ने शुक्रवार रात ऐलान किया कि वह ट्रम्प के प्लान में बताए गए फॉर्मूले के मुताबिक सभी जिंदा और मुर्दा बंदियों को रिहा करने को तैयार है। साथ ही गाजा का प्रशासन छोड़ने को भी तैयार है। हमास ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प की इस हफ्ते पेश की गई 20 पॉइंट की पीस डील के कुछ हिस्सों पर बातचीत जरूरी है। अल जजीरा

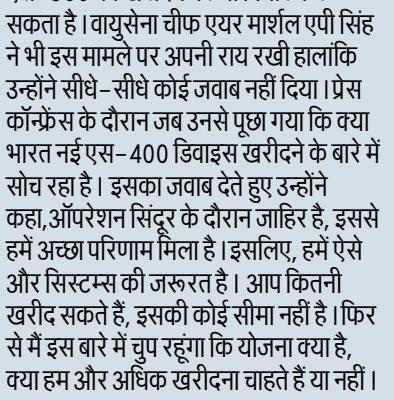

की रिपोर्ट के मुताबिक हमास की तरफ से जो जवाब आया है, उसमें हथियार छोड़ने का जिक्र नहीं किया गया है। हमास के ऐलान के बाद ट्रम्प ने इजराइल को तुरंत गाजा में हमले करना बंद करने को कहा है। वहीं, इजराइल ने कहा कि वह ट्रम्प के गाजा प्लान पर काम करने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू के ऑफिस ने बयान जारी कर रहा कि इजराइल ट्रम्प के प्लान के पहले चरण को लागू करने के लिए तैयार है। इसके लिए वे ट्रम्प और उनकी टीम के साथ मिलकर काम करेंगे ताकि जंग खत्म हो। इसके साथ ही इजराइल गाजा में हमला रोकने को तैयार हो गया है। सरकार ने सेना को गाजा पर कब्जे की कार्रवाई रोकने का आदेश दिया है।

बुलडोजर से नहीं, कानून के शासन से चलता है देश

मॉरीशस (एजेंसी)। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय न्याय व्यवस्था बुलडोजर के शासन से नहीं, बल्कि कानून के शासन से संचालित होती है। पिछले 10 दिनों के अंदर उन्होंने दूसरी बार बुलडोजर ऐक्शन की निंदा की है। हालांकि, इस बार उन्होंने सात समंदर पार जाकर यानी विदेश जाकर यह बयान दिया है। मॉरीशस में 'सबसे बड़े लोकतंत्र में कानून का शासन' विषय पर सर मौरिस रॉल्ट स्मृति व्याख्यान 2025 का उद्घाटन करते हुए उन्होंने 'बुलडोजर न्याय' की निंदा करने वाले अपने ही फैसले का उल्लेख किया। प्रख्यात न्यायविद सर मौरिस रॉल्ट 1978 से 1982 तक मॉरीशस के प्रधान न्यायाधीश थे। कानून के शासन का सिद्धांत और भारत के उच्चतम न्यायालय द्वारा उसकी व्यापक व्याख्या पर प्रकाश डालते हुए न्यायमूर्ति गवई ने कहा, इस फैसले ने एक स्पष्ट संदेश दिया है कि भारतीय न्याय व्यवस्था

बुलडोजर के शासन से नहीं, बल्कि कानून के शासन से संचालित होती है। जस्टिस गवई इन दिनों मॉरीशस की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। 'बुलडोजर न्याय' मामले में दिए गए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने माना है कि कथित अपराधों को लेकर अभियुक्तों के घरों को

10 दिनों में यह दूसरी बार बोले सीजेआई बीआर गवई

गिराना कानूनी प्रक्रियाओं को दरकिनार करता है, कानून के शासन का उल्लंघन करता है और संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत आश्रय के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता है। उन्होंने कहा कि यह भी माना गया कि कार्यपालिका अन्य भूमिका नहीं निभा सकती। इस मौके पर मॉरीशस के राष्ट्रपति धर्मबीर गोखूल, प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम और प्रधान न्यायाधीश रेहाना मुंगली गुलबुल आदि भी उपस्थित थे। अपने संबोधन में, प्रधान न्यायाधीश ने 1973 के केशवानंद भारती मामला सहित उच्चतम न्यायालय के विभिन्न ऐतिहासिक फैसलों का उल्लेख किया। सीजेआई गवई ने कहा कि सामाजिक क्षेत्र में, ऐतिहासिक अन्याय के निवारण के लिए कानून बनाए गए हैं और हाशिए पर पड़े समुदायों ने अपने अधिकारों का दावा करने के लिए अक्सर इनका और कानून के शासन की भाषा का सहारा लिया है। उन्होंने कहा, ''राजनीतिक क्षेत्र में, कानून का शासन सुशासन और सामाजिक प्रगति के मानक के रूप में कार्य करता है, जो कुशासन और अराजकता के बिल्कुल विपरीत है...। महात्मा गांधी और बीआर आंबेडकर के योगदान का उल्लेख करते हुए, न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि उनकी दूरदर्शिता ने प्रदर्शित किया कि भारत में कानून का शासन चलता है।

10वें बच्चे की मौत, 'जहरीला' कफ सिरप एमपी में भी बैन

डिप्टी सीएम ने पहले कहा-सिरप से मौतें नहीं, अब बोले-जहां दिखे जब्त करो

भोपाल (एजेंसी)। छिंदवाड़ा जिले में किडनी फेल होने से एक और बच्चे की मौत हो गई है। शनिवार की दोपहर नागपुर में इलाज के दौरान बड़कुई निवासी डेढ़ साल की योगिता ठाकरे की मौत हो गई। जिले में पिछले एक महीने के अंदर अब तक किडनी फेलियर से जान गंवाने वाले मासूमों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। मासूम योगिता ठाकरे पिछले 10 दिनों से नागपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती थी। उसे पेशाब न होने की समस्या (किडनी फेलियर) के चलते पहले परासिया अस्पताल लाया गया था, जहां से हालत गंभीर होने पर नागपुर रेफर किया गया था। इससे पहले तमिलनाडु के बाद मध्यप्रदेश में भी कोल्ड्रिफ और नेक्स्ट्रो-डीएस कफ सिरप को बैन कर दिया गया है। इन्हीं सिरप की वजह से छिंदवाड़ा में 9 बच्चों की किडनी फेल होने से मौत हुई है। सीएम मोहन यादव ने एक्स पर पोस्ट कर ये जानकारी दी है। स्थानीय डॉक्टर की सलाह पर बच्चों को कोल्ड्रिफ और नेक्स्ट्रो-डीएस कफ सिरप देने की बात सामने आई थी। बच्चों की मौत के बाद जांच के लिए तीन टीमें बनाई गई हैं। अब एसआईटी बनाकर राज्य स्तर पर जांच की जाएगी। सीएम डॉ. मोहन यादव ने एक्स पर लिखा- छिंदवाड़ा में कोल्ड्रिफ सिरप के कारण हुई बच्चों की मृत्यु अत्यंत दुखद है।

सिर्फ छिंदवाड़ा में ही सप्लाई होती थी कोल्ड्रिफ सिरप

खुलासा हुआ है कि जो कोल्ड्रिफ सिरप सप्लाई की गई थी, उन्हें जबलपुर से भेजा गया था। हालात की गंभीरता को देखते हुए जबलपुर कलेक्टर ने पहले ही सिरप पर बैन लगा दिया था। छिंदवाड़ा में श्री सन फार्मा कंपनी के मैनेजर की डिमांड पर महाकौशल डीलर कटारिया फार्मास्यूटिकल से इस कफ सिरप की सप्लाई होती थी। खास बात यह है कि कोल्ड्रिफ सिरप के लिए पूरे महाकौशल में सिर्फ छिंदवाड़ा से ही डिमांड आती थी। महाकौशल डीलर कटारिया फार्मास्यूटिकल ने सितंबर में चेन्नई की कंपनी श्री सन फार्मा से कोल्ड्रिफ सिरप की 660 बोतल मंगवाई थी। इनमें से 594 छिंदवाड़ा की तीन अलग-अलग मेडिकल शॉप आयुष फार्मा, न्यू अपना फार्मा और जैन मेडिकल एवं जनरल स्टोर में सप्लाई की गई। बाकी 66 सिरप डीलर ने अपने ऑफिस में रख ली थी। ड्रग कंट्रोलर के निर्देश पर जबलपुर ड्रग इंस्पेक्टर शरद कुमार जैन ने शुक्रवार को नौदरा ब्रिज स्थित कटारिया फार्मास्यूटिकल ऑफिस में जांच की है। शरद कुमार जैन ने बताया कि श्री सन फार्मा कंपनी की डीलरशिप महाकौशल में सिर्फ एक ही है। इसी कंपनी की सिरप कोल्ड्रिफ मध्यप्रदेश में कहीं भी सप्लाई नहीं होती। छिंदवाड़ा में भी यह सिरप सिर्फ 3 मेडिकल शॉप पर ही भेजी जाती थी।

अब बात करने को कुछ नहीं बचा, हथियार डालने ही होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को छत्तीसगढ़ के दौरे पर रहे। राज्य के बस्तर में अमित शाह ने मां दंतेश्वरी के दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने बस्तर ज़िले के मुख्यालय जगदलपुर में बस्तर दशहरा लोकोत्सव और स्वदेशी मेला को संबोधित भी किया, जहां से उन्होंने नक्सलियों को आखिरी चेतावनी दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने स्पष्ट किया कि नक्सलियों को अब हथियार डालने ही होंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के खतरे को अलविदा कहने के लिए 31 मार्च, 2026 की समय सीमा तय की गई है। अमित शाह ने स्पष्ट किया कि नक्सलियों के साथ बातचीत की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार की लाभदायक आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति को स्वीकार करने के बाद उन्हें (नक्सली) हथियार डालने होंगे। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने (नक्सलियों से) बातचीत का आह्वान किया है। मैं एक बार फिर स्पष्ट कर दूं कि छत्तीसगढ़ और केंद्र सरकार, दोनों ही बस्तर और सभी नक्सल प्रभावित इलाकों के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। अब बात करने की क्या बात है। एक आकर्षक आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति लागू की गई है। आगे आइए और अपने हथियार डाल दीजिए। अमित शाह ने चेतावनी देते हुए कहा कि हथियारों के बल पर बस्तर की शांति भंग करने वालों को सुरक्षा बल करारा जवाब देंगे। शाह ने का कि दिल्ली में कुछ लोग वर्षों से यह गलत सूचना फैलाते रहे हैं कि नक्सलवाद का जन्म विकास की लड़ाई के लिए हुआ था। लेकिन मैं अपने आदिवासी भाइयों को बताने आया हूं कि पूरा बस्तर विकास से वंचित रहा है। इसका मूल कारण नक्सलवाद है। बस्तर में आयोजित इस कार्यक्रम को शाह ने संबोधित किया।

बस्तर में अमित शाह की नक्सलियों को अंतिम चेतावनी

विपक्षी दलों से संबंध बेहतर करने का प्रयास.... उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन कर सकते मुलाकात

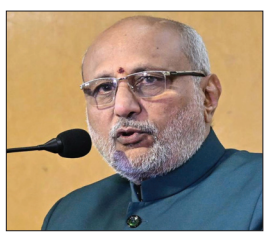

नई दिल्ली। नए निर्वाचित उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन जल्द ही विपक्षी दलों के नेताओं से मुलाकात करने की तैयारी में हैं। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन का यह कदम विपक्षी नेताओं के साथ संबंधों को ठीक करने के प्रयास के रुप में देखा जा रहा है। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन राज्यसभा के सभापति का पदभार ग्रहण करने के एक महीने के भीतर 7 अक्टूबर को विभिन्न राजनीतिक दलों के उच्च सदन में कुछ नेताओं के साथ बैठक करने वाले है। राधाकृष्णन ने 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की थी। सूत्रों ने बताया कि वे सात अक्टूबर की शाम को कुछ विपक्षी नेताओं से मिलने और उसके बाद के दिनों में और भी नेताओं से मुलाकात कर सकते है। खास बात है कि पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के राज्यसभा के सभापति रहते विपक्ष के साथ रिश्ते ठीक नहीं थे। इसके बाद नए उपसभापति की विपक्ष के साथ पहली मीटिंग पर सबकी नजर रहेगी। यह कदम संसद के शीतकालीन सत्र से कुछ दिन पहले उठाया गया है, इसके अगले महीने शुरू होने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि सदन के नेताओं से मुलाकात का यह प्रयास विपक्षी नेताओं के साथ बेहतर संबंध बनने का प्रयास है। हालांकि, राज्यसभा के सभापति का पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद राधाकृष्णन से 12 सितंबर को कुछ विपक्षी नेताओं ने मुलाकात कर बधाई दी थी। लेकिन आगामी बैठक को विभिन्न दलों के नेताओं के साथ उनकी पहली औपचारिक बैठक माना जा रहा है।

● आरजेडी राज में बिहार की हालत सड़े पेड़ सी थी

पीएम बोले-ना स्कूल खुलते थे, ना ही बच्चे आते थे

मोदी ने कहा-बिहार से लाखों लोगों ने पलायन किया

पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बिहार के युवाओं से वर्चुअली संवाद किया। इस दौरान उन्होंने संवाद कार्यक्रम में जुड़े युवाओं को जंगलराज की याद दिलाई। उन्होंने कहा, ढाई दशक पहले की शिक्षा व्यवस्था और बुरे हालात का आपको अंदाजा नहीं है। पहले बिहार में शिक्षा व्यवस्था तबाह थी। ना स्कूल खुलते थे ना बच्चे आते थे। बच्चों को बिहार छोड़कर जाना पड़ा। यहीं से पलायन की असली शुरुआत हुई। जिस पेड़ की जड़ों में कीड़ा लग जाता है, उसे फिर खड़े करने में बहुत मेहनत लगती है। आरजेडी के राज में बिहार में वही कीड़े लग गए थे। नीतिश जी के साथ मिलकर हम बिहार को फिर पटरी पर लाए। उन्होंने कहा, आरजेडी और कांग्रेस के शासन की तुलना में बिहार में शिक्षा के क्षेत्र में बहुत विकास हुआ है।

- **जंगलराज की याद दिलाई, तेजस्वी पर निशाना-** बिहार में पहले शिक्षा व्यवस्था चौपट थी। स्कूल बंद पड़े रहते थे। लोग पलायन करते थे। नीतिश जी के साथ मिलकर हमने बिहार में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत किया। कर्पूरी ठाकुर को जननायक सोशल मीडिया पर ट्रोल करने वालों ने नहीं बनाया। उन्होंने पूरा जीवन समाज की भलाई के लिए लगाया था। आजकल लोग जननायक की भी चोरी करने में लोग लगे हैं। आपको सतर्क रहना है, कर्पूरी ठाकुर को जनता द्वारा दिया गया सम्मान कोई चोरी न कर ले।
- **नौजवान और महिलाएं हमारी प्राथमिकता-** आज बिहार के युवाओं के सशक्तिकरण का यह मेगा कार्यक्रम है। यह दिखाता है कि एनडीए सरकार बिहार के नौजवानों को, महिलाओं को कितनी प्राथमिकता दे रही है। भारत ज्ञान और कौशल का देश है।

सरोजिनी नगर में घर से 25 लाख रुपए की चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सरोजिनी नगर पुलिस थाने की टीम ने चोरी के एक सनसनीखेज मामले को सुलझाते हुए दो आरोपियों राजेंद्र कुमार (43) और राजेश कुमार (36) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी के 23.50 लाख रुपये और अलमारी काटने में इस्तेमाल की गई कटर मशीन बरामद की है। राजेंद्र सेक्टर-7, आरके पुरम और राजेश बुराड़ी का निवासी है। 23 सितंबर को सरोजिनी नगर थाना पुलिस को एक घर में चोरी की सूचना मिली। एएसआई नरेंद्र अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और ओडिया समाज ट्रस्ट की कार्यकारी निदेशक जेआर दास का बयान दर्ज किया। इसके आधार पर थाने में एफआईआर दर्ज की गई और जांच शुरू हुई। मामले को सुलझाने के लिए एसएचओ अतुल त्यागी के नेतृत्व में और एसीपी मेल्विन वर्गीस की देखरेख में एक विशेष टीम बनाई गई, जिसमें एसआई दीपक, एएसआई नरेंद्र, हेड कांस्टेबल अमरजीत, पुष्पेंद्र, निर्वेश, दिलबाग, अजीत, मेनपाल और कांस्टेबल भरत सोलंकी शामिल थे। टीम ने 11 दिन तक कड़ी मेहनत की। 40 से अधिक संदिग्धों से पूछताछ की गई। मोबाइल नंबरों की निगरानी की गई और कई सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। फुटेज में संदिग्धों को टोपी, तौलिया और दस्ताने पहनकर भेष बदलते देखा गया। ऑटो-रिक्शा चालक से पूछताछ में पता चला कि उसने संदिग्धों को नेताजी नगर में छोड़ा था। सीसीटीवी विश्लेषण से राजेंद्र कुमार की मौजूदगी का पता चला। गिरफ्तार करने के बाद राजेंद्र ने गुनाह कबूल लिया और बताया कि उसने अपने साथी राजेश के साथ मिलकर चोरी की साजिश रची। पुलिस ने राजेश के मानसरोवर पार्क, शाहदरा स्थित ससुराल से 14.50 लाख रुपये और बुराड़ी स्थित घर से 9 लाख रुपये बरामद किए। चोरी किए गए कुल 25 लाख रुपये में से 23.50 लाख रुपये और कटर मशीन जब्त की गई। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। राजेंद्र एक एनजीओ में ड्राइवर है और उसने टीवी सीरियल 'क्राइम पेट्रोल' देखकर चोरी की साजिश रची। राजेश ने उसका साथ दिया। मामला एफआईआर नंबर 474/2025 के तहत दर्ज है, जिसमें बीएनएस की धारा 305(बी), 331(4), 317(2) और 61(2) लागू की गई हैं। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने टीम की तारीफ की है।

उत्तरी-पूर्वी दिल्ली में दंगा-रोधी मॉक ड्रिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने शनिवार सुबह उत्तरी-पूर्वी जिले में दंगा-रोधी मॉक ड्रिल का आयोजन किया। यह अभ्यास बेला फार्म, यमुना खादर, शास्त्री पार्क में किया गया। जिसका उद्देश्य बल की संचालन क्षमता और आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया की तैयारी को जांचना था। पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार ड्रिल की शुरुआत सुबह आठ बजे की गई। इसमें कुल 170 पुलिसकर्मी शामिल हुए। जिनमें एक एसीपी, सात इंस्पेक्टर और 162 अधीनस्थ अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। इस दौरान वाटर कैनन, वज्र, विक्रांत और एम्बुलेंस की कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया गया। साथ ही पुलिसकर्मियों की गैस गन और ए.आर.ई. उपकरण चलाने की दक्षता की भी जांच की गई। वहीं पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया ऐसे अभ्यास समय-समय पर किए जाते हैं, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति में पुलिस बल तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करने में सक्षम रहे।

जाफराबाद में लूट की वारदात का पुलिस ने किया खुलासा, चार आरोपित दबोचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पूर्वी जिले के जाफराबाद इलाके में हुई लूट की वारदात में पुलिस ने दो नाबालिग समेत चार आरोपितों को पकड़ा है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान चौहान बंगर निवासी हारिश (19), चौहान बंगर निवासी सुहैल उर्फ भूरा (21) व दो नाबालिग के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, तीन अक्टूबर की शाम करीब 6:21 बजे गली नंबर-10, चौहान बंगर स्थित एक मनी ट्रांसफर की दुकान पर तीन नकाबपोश बदमाश घुस आए। बदमाशों ने दुकानदार मो. रईस को बंदूक और चाकू के बल पर बंधक बनाकर दुकान से नकदी और दो मोबाइल फोन लूट लिए। सूचना मिलते ही जाफराबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज किया। वारदात को गंभीरता से लेते हुए जिले की स्पेशल स्टाफ को भी जांच में शामिल किया गया। पुलिस ने तकनीकी और मानवीय खुफिया इनपुट के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपितों को दबोचा। पुलिस ने आरोपितों के पास से लूटी गई नकदी, चार चाकू, एक पिस्टल के आकार का लाइटर और स्कूटी बरामद की है, जिसका इस्तेमाल वारदात के दौरान किया गया था।

दमकल की गाड़ी से टकराई बाइक, एक की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर पूर्वी जिले के सोनिया विहार इलाके में शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पुलिस के मुताबिक सुबह करीब 8:15 बजे थाना सोनिया विहार क्षेत्र में एक मोटरसाइकिल और दमकल की टक्कर हो गई। घटना में घायल बाइक सवार को दमकलकर्मियों ने नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच में मृतक की पहचान 5वां पुश्ता, सोनिया विहार निवासी रोहित पाल (18) के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी के अनुसार शनिवार सुबह दमकल की एक गाड़ी युवक के डूबने की घटना की इमरजेंसी कॉल पर पुश्ता रोड, सोनिया विहार की ओर जा रही थी। इस दौरान चौहान पट्टी के पास सामने से तेज रफ्तार में आ रहे बाइक सवार को देखकर चालक ने टक्कर से बचने के लिए गाड़ी बाईं ओर मोड़ दी। इसी कोशिश में दमकल की गाड़ी दीवार से जा टकराई और वाहन को नुकसान पहुंचा, लेकिन हादसा टल नहीं सका। फिलहाल पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

ग्रीन पार्क क्षेत्र में स्वच्छता के लिए अत्याधुनिक सुपर सकर और जेटिंग मशीन तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता व मालवीय नगर से विधायक सतीश उपाध्याय ने शनिवार को ग्रीन पार्क क्षेत्र में जल बोर्ड की सुपर सकर और जेटिंग मशीन का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह अत्याधुनिक मशीनें अब क्षेत्र में सीवर सफाई, जल निकासी और स्वच्छता को और तेज एवं प्रभावी बनाएंगी। विधायक सतीश उपाध्याय ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली को और स्वच्छ, आधुनिक और स्वस्थ बनाने की दिशा में यह एक ठोस कदम है। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल तकनीक का उद्घाटन नहीं है, बल्कि जनता की सुविधा और शहर के विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।'

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने पल्ला गांव से हाथी घाट तक विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को बोट से यमुना नदी के प्रवेश बिंदु पल्ला गांव से लेकर आईटीओ के नजदीक स्थित हाथी घाट तक विभिन्न छठ घाटों का दौरा किया। इस दौरान उनके साथ दिल्ली के कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह और कपिल मिश्रा के अलावा लक्ष्मी नगर से विधायक अभय वर्मा और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यमुना तट पर महापर्व छठ की तैयारियों को लेकर सरकार पूरी गंभीरता और युद्धस्तर पर काम में जुटी है। आज पल्ला गांव से लेकर हाथी घाट तक लगभग तीन घंटे तक विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया और बोट से यमुना जी के किनारों का विस्तृत सर्वे किया।

उन्होंने कहा कि यह जमीनी सर्वेक्षण केवल व्यवस्थाओं की समीक्षा नहीं, बल्कि दिल्ली में एक भव्य और सुव्यवस्थित छठ आयोजन सुनिश्चित करने की ठोस नींव है। यह पर्व उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के भाइयों-बहनों को दिल्ली की मिट्टी से जोड़ता है और एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को सशक्त करता है। संबंधित विभागों को साफ-सफाई, घाटों के निर्माण, सुरक्षा और अन्य सभी सुविधाओं की रूपरेखा शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि लाखों श्रद्धालु बिना किसी कठिनाई के छठ मईया की पूजा-अर्चना कर सकें।

उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों ने छठ को यमुना से दूर कर दिया था। यमुना किनारे इस बार आस्था के महापर्व छठ का भव्य आयोजन होगा। उनकी सरकार पल्ला गांव से लेकर ओखला तक छठ के आयोजन की तैयारियों में पूरी निष्ठा और तत्परता से जुटी है। जब यमुना के घाटों पर लाखों श्रद्धालु डूबते सूरज और उगते सूर्य को अर्घ्य देंगे तब वह क्षण हर श्रद्धालु के लिए अविस्मरणीय बने, यही हमारा संकल्प और प्रयास है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी में पूर्वांचलवासियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है, इसलिए उनकी धार्मिक आस्था व सुविधा को ध्यान में रखते हुए दिल्ली में यमुना के प्रवेश स्थल पल्ला से लेकर अंतिम स्थल ओखला तक दोनों किनारों पर छठ पर्व का आयोजन किया जाएगा। इन दोनों किनारों पर जहां भी छठ पर्व के लिए समतल किनारे उपलब्ध होंगे, वहां सरकार की ओर से व्रतधरियों को समुचित सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। छठ घाटों को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए जा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि छठ पर्व की तैयारियों को लेकर 29 सितंबर को मुख्यमंत्री ने दिल्ली सचिवालय में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने पल्ला से लेकर वजीराबाद तक के किनारों पर विशेष व्यवस्था के साथ ही आईटीओ, ओखला जैसे पुराने स्थलों पर भी व्यवस्थाएं और दुरुस्त करने का निर्देश अधिकारियों को दिया था।

मुख्यमंत्री ने छठ पूजा के दौरान घाटों की सफाई व स्वच्छता के साथ धूल से बचाने के लिए पानी का छिड़काव, पुलिस व ट्रैफिक पुलिस को सुरक्षा व यातायात व्यवस्था चौकस रखने के आदेश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सिंचाई विभाग को छठ पर्व से पूर्व यमुना से जलकुंभी निकालने के भी आदेश जारी किए गए हैं। इस बार इन स्थलों पर प्रकाश की विशेष व्यवस्था की जाएगी ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली में यमुना के

किनारो के अलावा मुनक नहर, मुंगेशपुर ड्रेन के अलावा कृत्रिम तालाबों में भी छठ पूजा आयोजित की जाती है। राजधानी में कुल मिलाकर 929 स्थलों पर पूजा-अर्चना की जाती है। इन स्थलों पर सरकार की ओर से समुचित व्यवस्थाएं की जाएंगी। अगर किसी संस्थान को एनओसी चाहिए तो उसे भी बिना किसी परेशानी से उसे दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ ऐसे विशेष स्थान भी चिन्हित किए जाएंगे जहां छठ पूजा का विशेष आयोजिन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि अगर यमुना में अतिरिक्त पानी की जरूरत होती तो हरियाणा सरकार से निवेदन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व पूर्वांचलवासियों की आस्था और संस्कृति का एक महत्वपूर्ण पर्व है और इसे पूरी श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाने के लिए दिल्ली सरकार पूरी तरह तैयार है।

दिव्यांगों को हर माह मदद दिल्ली सरकार का बेहतरीन फैसला : गुरमीत सिंह सूरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिव्यांगजनों को हर माह ?6,000 की आर्थिक सहायता देने के दिल्ली सरकार के निर्णय को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शाहदरा जिले के वरिष्ठ नेता गुरमीत सिंह सूरा ने एक ÷बेहतरीन फैसला÷ बताया है। गुरमीत सिंह सूरा ने कहा कि यह योजना %ट्रिपल इंजन सरकार% के जनहितकारी कार्यों का प्रमाण है, जिसके फायदे अब दिल्ली की जनता को मिलने शुरू हो गए हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस योजना की घोषणा करते हुए स्पष्ट किया था कि इसका उद्देश्य दिव्यांगजनों को केवल आर्थिक मदद देना नहीं है, बल्कि उन्हें सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता प्रदान करना है, क्योंकि वे समाज का अभिन्न हिस्सा हैं और उन्हें गरिमापूर्ण जीवन जीने का पूरा हक है। यह विशेष वित्तीय सहायता उन पात्र दिव्यांगजनों को दी जाएगी जिन्हें उच्च सहयोग की आवश्यकता है। इस योजना के तहत दी जाने वाली ?6,000 की मासिक राशि सीधे लाभार्थी के आधार-लिंक्ड बैंक खाते में हस्तांतरित की जाएगी। गुरमीत सिंह सूरा ने बताया कि यह पैसा देखभाल सहायक के खर्च, फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी, ऑक्युपेशनल थेरेपी, मनोवैज्ञानिक परामर्श और अन्य आवश्यक सहायक उपकरणों पर होने वाले खर्चों में मदद करेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस योजना को सामाजिक भागीदारी और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने वाली पहल बताया, जिससे परिवारों पर इलाज और देखभाल का पड़ने वाला भारी बोझ कम होगा। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन करुणा के नहीं, बल्कि समाज के सक्रिय और सम्मानित नागरिक हैं। इस योजना को दिल्ली कैबिनेट की पिछली बैठक में हरी झंडी मिल चुकी है, और इसकी शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा की जाएगी। सूरा ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के लगभग आठ माह के कार्यकाल में जनहित में लिए गए अनेक फैसलों की सराहना की।

राजकुमार प्रधान का अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा की टीम ने किया सम्मानपूर्वक स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमुना विहार ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर पुनर्नियुक्ति होने पर राजकुमार प्रधान का अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा की दिल्ली प्रदेश इकाई द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर महासभा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उन्हें पटका पहनाकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से महासभा के दिल्ली प्रदेश संरक्षक श्री राधेश्याम कौशिक, राष्ट्रीय मंत्री डॉ. एस. कुमार, राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री बृजमोहन शर्मा, दिल्ली प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश कौशिक, जिला महामंत्री विजय कुमार, जिला उपाध्यक्ष सुनील शर्मा, जिला कार्यकारिणी सदस्य सुशील शर्मा, संजीव शर्मा, योगेश शर्मा, सचिन शर्मा, मंडलम अध्यक्ष काशीराम डोगरा और सचिव हरिशंकर उपस्थित रहे।

इस अवसर पर राधेश्याम कौशिक ने कहा कि राजकुमार प्रधान पार्टी के समर्पित और कर्मठ कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने सदैव संगठन के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि राजकुमार प्रधान अपने नए कार्यकाल में भी पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने में सक्रिय भूमिका

निभाते रहेंगे और संगठन को नई ऊँचाइयों तक ले जाएंगे।

सभा में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने एक स्वर में कहा कि राजकुमार प्रधान की पुनर्नियुक्ति से क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हुआ है और संगठनात्मक मजबूती को नया बल मिलेगा। समारोह का समापन धन्यवाद ज्ञापन और शुभकामनाओं के साथ किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजन में आवारा कुत्तों ने विदेशी कोचों को काटा; विजय गोयल ने 'जीरो टॉलरेंस' नीति की माँग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान आवारा कुत्तों द्वारा विदेशी कोचों पर हमले की घटना ने खेल जगत और प्रशासन दोनों को झकझोर कर रख दिया है। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम परिसर में हुई इस घटना में केन्या और जापान के कोच घायल हो गए। इस गंभीर प्रकरण पर पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि आवारा कुत्ते अब भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनामी का कारण बन रहे हैं।

श्री गोयल ने कहा कि दिल्ली ही नहीं, बल्कि देशभर में आवारा कुत्तों की समस्या अब विकराल रूप ले चुकी है। उन्होंने कहा, 'यह केवल नागरिक सुरक्षा का नहीं बल्कि देश की प्रतिष्ठा से जुड़ा विषय है। अब तो विदेशी नागरिक भी इन हमलों का शिकार हो रहे हैं, जिससे भारत की छवि को गहरा धक्का लगा है।'

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने सवाल उठाया कि जो तथाकथित पशु-प्रेमी संगठन और व्यक्ति आवारा कुत्तों की सड़कों पर मौजूदगी का समर्थन करते हैं, वे अब चुप क्यों हैं? उन्होंने कहा, 'क्या ये लोग इस अंतरराष्ट्रीय शर्मिंदगी की ज़िम्मेदारी लेंगे? भारत जैसे देश में जहाँ खेल, पर्यटन और नागरिक सुरक्षा समान रूप से महत्वपूर्ण हैं, वहां इस तरह की घटनाएँ बेहद चिंताजनक हैं।'

गोयल ने बताया कि वे लंबे समय से इस समस्या के समाधान के लिए संघर्षरत हैं और कई बार सरकार व प्रशासन को चेतावनी दे चुके हैं कि आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या आम नागरिकों और पर्यटकों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। उन्होंने कहा कि विकसित देशों में इस विषय पर 'शून्य सहिष्णुता' की नीति अपनाई जाती है, पर भारत में अब तक ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।

उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेशों पर भी सवाल उठाए। गोयल ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने 11 अगस्त को दिल्ली नगर निगम और अन्य एजेंसियों को आठ सप्ताह के भीतर सभी आवारा कुत्तों को एकत्र कर आश्रय स्थलों में रखने का निर्देश दिया था। परंतु कुत्ता-प्रेमियों के दबाव में 22 अगस्त को आदेश संशोधित कर दिए गए, जिसके बाद कुत्तों को फिर से सड़कों पर छोड़ दिया गया। उन्होंने कहा कि कोर्ट के इस संशोधन ने हालात को और बदतर बना दिया है।

श्री गोयल ने कहा कि यह मामला अब केवल दिल्ली की सड़कों तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि, पर्यटन उद्योग और खेल आयोजन की सुरक्षा से भी सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। उन्होंने केंद्र और दिल्ली सरकार से मांग की कि वे तत्काल इस पर कार्रवाई करें और कुत्तों के नियंत्रण के लिए ठोस नीति लागू करें।

अंत में विजय गोयल ने घोषणा की कि वे इस विषय पर शीघ्र ही एक विशाल धरना प्रदर्शन आयोजित करेंगे, ताकि सरकार पर दबाव बनाया जा सके और आवारा कुत्तों की समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सके।

दिल्ली प्रदेश भाजपा ने कार्यालय निर्माण करने वाले श्रमिकों को किया सम्मानित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिल्ली प्रदेश के नवनिर्मित कार्यालय भवन के निर्माण में योगदान देने वाले सभी श्रमिकों के सम्मान में शनिवार को 'श्रमिक सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा अध्यक्षता में आयोजित श्रमिक सम्मान समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने सभी श्रमिकों प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका अभिवादन किया। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने भी श्रमिकों का अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा एवं हम सभी भाजपा परिवार के कार्यकर्ताओं ने इस भवन के निर्माण में अपनी तपस्या, परिश्रम और समर्पण से योगदान देने वाले श्रमिक भाइयों का सम्मान कर उनके प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की। यह वही भावना है, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजनीति में एक आदर्श संस्कार के रूप में स्थापित किया है कि राष्ट्र के विकास का सच्चा श्रेय उस श्रम को है, जो तप और समर्पण से संनादित है। चाहे वह संगठन का कार्यालय हो या राष्ट्र की प्रगति का भवन, उसकी नींव में श्रमिकों का परिश्रम ही सबसे बड़ी शक्ति है। आज भाजपा कार्यालय का यह भव्य और दिव्य स्वरूप हमारे श्रमिक भाइयों के तप, त्याग और अटूट समर्पण का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि परिश्रम और तपस्या के प्रति सम्मान ही हमारी राजनीति और संगठन की प्राण-धारा है। 'श्रमिक सम्मान समारोह' में दिल्ली भाजपा के संगठन महामंत्री पवन राणा, सांसद कमलजीत सहरावत, भवन निर्माण समिति के सदस्य योगेंद्र चंदोलिया, प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल, कोषाध्यक्ष सतीश गर्ग एवं सुमन कुमार गुप्ता के साथ कार्यालय मंत्री ब्रजेश राय एव अमित गुप्ता भी उपस्थित रहे।

राहुल का विदेशी मंचों पर भरोसा जताना 'भारत-विरोधी संस्कारों' की निशानी : भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने शनिवार को कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का भारत की धरती से अधिक भरोसा विदेशी मंचों पर जताना उनके 'भारत-विरोधी संस्कारों' को दर्शाता है। सचदेवा ने एक्स पोस्ट में राहुल गांधी के हालिया बयानों की आलोचना करते हुए लिखा कि लोकतंत्र पर भाषण देने से पहले उन्हें अपनी पार्टी का इतिहास देखना चाहिए। इमरजेंसी की याद आज भी भारत की आत्मा में जिंदा है। भारत को कमजोर बताने वाले आपके बयान हर देशवासी के आत्मसम्मान पर प्रहार हैं। सचदेवा ने कहा कि भारत आज आत्मविश्वास के साथ विश्व मंच पर खड़ा है, लेकिन राहुल उस आत्मविश्वास को तोड़ने का काम कर रहे हैं। उन्होंने इसे राजनीतिक मतभेद से आगे बताते हुए कहा, 'यह विरोध नहीं, वतन से वैर है; यह राजनीतिक मतभेद नहीं, बल्कि मानसिक दिवालियापन है।' भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सचदेवा ने जोर देकर कहा कि लोकतंत्र में विरोध जरूरी है, लेकिन देश की बदनामी कतई स्वीकार्य नहीं। बार-बार भारत की धरती से ज्यादा भरोसा विदेशी मंचों पर जताना आपके भारत-विरोधी संस्कारों की निशानी है। आप अब अपमान के प्रतीक बन चुके हैं।

'शीश महल' अब बनेगा सरकारी अतिथि गृह, आम जनता के लिए खुलेगा कैफेटेरिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का 6, फ्लैगस्टाफ रोड स्थित विवादास्पद सरकारी आवास, जिसे 'शीश महल' के नाम से जाना जाता है, अब एक नए स्वरूप में नजर आएगा। दिल्ली की भाजपा सरकार ने इस बंगले को एक राजकीय अतिथि गृह (स्टेट गेस्ट हाउस) में परिवर्तित करने का निर्णय लिया है। इस अतिथि गृह में आम जनता के लिए एक फूड आउटलेट (भोजनालय) भी खोला जाएगा। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने शनिवार को इस योजना की जानकारी देते हुए बताया कि सिविल लाइंस स्थित इस बंगले को एक सार्वजनिक सुविधा केंद्र के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव लगभग अंतिम चरण में है। योजना के अनुसार, परिसर में एक कैफेटेरिया स्थापित किया जाएगा, जहाँ अन्य राज्यों के भवनों की तरह पारंपरिक व्यंजन परोसे जाएंगे और यह सुविधा आम लोगों के लिए उपलब्ध होगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ₹सरकार बंगला नंबर 6 को राजकीय अतिथि गृह में बदलने के निर्णय के करीब है। इसका उपयोग अन्य राज्यों के अतिथि गृहों की भांति ही किया जाएगा, जहाँ बैठकें आयोजित हो सकेंगी और प्रशिक्षण कार्यशालाओं के लिए आने वाले अधिकारी व मंत्री भुगतान के आधार पर ठहर सकेंगे।₹ इस प्रस्ताव के तहत परिसर में पार्किंग स्थल, प्रतीक्षा कक्ष और अन्य आवश्यक सुविधाओं का भी निर्माण किया जाएगा। हालांकि, इस योजना को अभी उच्च अधिकारियों से अंतिम मंजूरी मिलनी शेष है। फिलहाल, इस बंगले के रखरखाव के लिए लगभग 10 कर्मचारियों की एक टीम तैनात है, जो नियमित रूप से साफ-सफाई और विद्युत उपकरणों का संचालन सुनिश्चित करती है। गौरतलब है कि यह बंगला अपने नवीनीकरण में हुए कथित अत्यधिक खर्च और अनियमितताओं को लेकर भ्रष्टाचार के आरोपों के केंद्र में रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने इसे एक बड़ा चुनावी मुद्दा बनाते हुए 'शीश महल' की संज्ञा दी थी। वर्ष 2022 में, दिल्ली सरकार के सतर्कता विभाग ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा बंगले के नवीनीकरण में हुई कथित अनियमितताओं और अत्यधिक लागत की जांच भी शुरू की थी। सरकार के इस नए कदम को उस विवादित अध्याय को समाप्त कर संपत्ति का सार्वजनिक उपयोग सुनिश्चित करने की एक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

संघ साहित्य परिचर्चा में विद्वानों ने आरएसएस के कार्यों का किया उल्लेख, बताया इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय साहित्य परिषद के तत्वावधान में दो दिवसीय समग्र संघ साहित्य परिचर्चा का आयोजन नेहरू नगर स्थित पीजीडीएवी महाविद्यालय में किया गया। परिचर्चा का उद्घाटन शनिवार को हुआ। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने की। मुख्यमतिथि के रूप में केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर के पूर्व कुलाधिपति डॉ. बलवंत जानी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सुरुचि प्रकाशन के अध्यक्ष राजीव तुली भी मंच पर मौजूद थे। दो दिवसीय इस साहित्यिक परिचर्चा में बड़ी संख्या में विद्वानों, प्राध्यापकों और विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि संघ का सौ वर्ष का इतिहास सेवा, संघर्ष, कार्य और प्रेरणा से भरा हुआ है। उन्होंने कहा, 'संघ व्यक्ति नहीं, न ही केवल व्यक्तियों का समूह है, बल्कि यह एक विचार है जो व्यक्ति निर्माण और समाज निर्माण पर केंद्रित है। संघ का कार्य चरित्र निर्माण का है और वही ईश्वरीय कार्य है।' उन्होंने कहा कि भारत में राष्ट्रीय चरित्र और एकता की कमी को संघ ने दूर करने का काम किया। गुलामी के आठ सौ वर्षों ने देश को कमजोर किया, लेकिन संघ ने चाणक्य की नीतियों की तरह राष्ट्र के पुनर्निर्माण का कार्य किया। उन्होंने सरसंघचालक मोहन भागवत का उल्लेख करते हुए कहा कि 'संघ लेने के लिए नहीं, देने के लिए प्रेरित करता है। यदि धर्म की रक्षा करोगे तो धर्म तुम्हारी रक्षा करेगा।' डॉ. बलवंत जानी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारतीय परंपरा और ज्ञान परंपरा का संवाहक है। उन्होंने कहा कि संघ का रचित साहित्य केवल भारत या एशिया तक सीमित नहीं है, बल्कि विश्व के लिए भी महत्वपूर्ण है।

गुरुग्राम आईटीआई में दीक्षांत समारोह में प्रशिक्षुओं को दिए गए प्रमाण पत्र

- राजकीय आईटीआई गुरुग्राम में मुख्य अतिथि रविंदर ने छात्रों को दिए उद्योग जगत में सफलता के मंत्र
- महिला आईटीआई गुरुग्राम में भी हुआ पुरस्कार वितरण

संवाददाता

गुरुग्राम। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग हरियाणा के तत्वावधान में शनिवार को गुरुग्राम के पुरुष व महिला राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गुरुग्राम और राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (महिला) गुरुग्राम में सत्र 2024-25 के सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले युवाओं और छात्राओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रमाण पत्र, मोमेंटो और पुरस्कार प्रदान किए गए। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गुरुग्राम में आयोजित समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि रविंदर, एजीएम कैपारो मारुति द्वारा किया गया। विभिन्न व्यवसायों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल करने वाले प्रशिक्षुओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और कौशल विकास पर जोर देते हुए

कहा कि ये गुण ही उन्हें उद्योग जगत में बेहतर भविष्य प्रदान करेंगे।

संस्थान के प्रधानाचार्य रविंद्र कुमार ने कहा कि आईटीआई से प्रशिक्षित युवा देश की प्रगति की मजबूत नींव हैं। निरंतर शिक्षा और नई तकनीकों को अपनाकर ही वे वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना समय की आवश्यकता है। संस्थान का उद्देश्य है कि हर विद्यार्थी न केवल रोजगार प्राप्त करे, बल्कि उद्यमिता के माध्यम से दूसरों के लिए भी अवसर सृजित करे। दूसरी ओर, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (महिला) गुरुग्राम में निदेशालय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार तथा एसडीआईटी पंचकूला के निर्देशानुसार समारोह आयोजित हुआ। सत्र 2024-25 की पासआउट छात्राओं को उनके व्यवसायों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान के लिए प्रधानाचार्य जगमिंदर द्वारा सर्टिफिकेट और पुरस्कार वितरित किए गए।

नशे के हॉट स्पॉट घाटा व वजीराबाद गांव में चलाया जागरुकता अभियान

संवाददाता

गुरुग्राम। युवाओं को नशे से दूर रहने, नशा ना करने व ना बेचने और बेचने वालों की सूचना पुलिस को देने के लिए पुलिस ने लोटे में नमक डलवाकर युवाओं को शपथ दिलाई। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो की ओर से चलाए जा रहे लोटा नमक अभियान के तहत यह कार्य किया गया

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जागरुकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी उपनिरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा शनिवार को फरीदाबाद से गुरुग्राम साइकिल से पहुंच। गुरुग्राम इकाई के सहायक उपनिरीक्षक अनिल कुमार और प्रधान सिपाही सुनील कुमार को साथ लेकर गुरुग्राम के हॉट स्पॉट पर पहुंचे। गुरुग्राम के गांव घाटा में लोगों को एकत्रित कर नशे के विरुद्ध अभियान चलाया गया। फिर वजीराबाद में नशे के विरुद्ध जागरुकता कार्यक्रम किया। दोनों स्थानों पर डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि हरियाणा में वर्ष 2023 में 3823 केसों में 6619 और वर्ष 2024 में 3330 कसों में 5982 नशा तस्करों को काबू करके जेल भेजा जा चुका है। इस वर्ष तीन अक्टूबर 2025 तक 2735 केस दर्ज किए गए हैं 4859 अपराधी सलाखों के पीछे पहुंचाए गए हैं।

उन्होंने कहा कि नशे को समूल नष्ट करने के लिए जागरुकता कार्यक्रम भी जरूरी हैं ताकि कोई व्यक्ति नशे की और आकर्षित न हो। यही कारण है कि ब्यूरो प्रमुख द्वारा नशे के विरुद्ध आंदोलन में नमक लोटा अभियान को जोड़ा गया है।

उन्होंने कहा कि ये दोनों गांव हॉट स्पॉट के रूप में चिन्हित हैं। हम सबको मिलकर अपने बच्चों को नशे से बचाना है तो ब्यूरो का सहयोग करना होगा। आज सब यह प्रतिज्ञा करें कि कोई नशा नहीं करेंगे। उपस्थित लोगों ने लोटे में नमक डालकर यह शपथ ली कि वे जीवन में कोई नशा नहीं करेंगे और न बेचेंगे। यदि को बेचता है तो इसकी गुप्त सुचना 1933 पर देंगे।

डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने आगे बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा गुटखा, पान मसाला और तम्बाकू उत्पाद पर एक वर्ष के लिए प्रतिबन्ध लगा दिया है। क्योंकि हरियाणा में प्रति माह लगभग तीन हजार कैंसर के रोगी सामने आ रहे थे। ब्यूरो के अधिकारियों ने दोनों स्थानों पर बीड़ी आदि के खोखे पर जाकर उन्हें निर्देश दिए और तम्बाकू उत्पाद हटवाए।

सड़क किनारे टहल रहे बुजुर्ग पर स्ट्रीट डॉग्स के झुण्ड ने हमलाकर किया घायल

संवाददाता

गुरुग्राम। साईबर सिटी के विभिन्न क्षेत्रों में स्ट्रीट डॉग्स के आतंक से लोगों का सडक़ों पर अब पैदल चलना मुश्किल हो गया है। राह चलते लोगों पर कब स्ट्रीट डॉग्स हमला कर दें, कोई पता नहीं। आए दिन हो रही घटनाओं से प्रशासन भी सबक नहीं ले रहा है। राजेंद्रा पार्क छठ घाट के निकट धर्मकांटे वाली गली में टहल रहे एक बुजुर्ग पर अचानक स्ट्रीट डॉग्स के झुण्ड ने हमला कर घायल कर दिया। बुजुर्ग ने स्ट्रीट डॉग्स से बचने का प्रयास किया, जिससे वह चोट लगने से घायल हो गए। क्षेत्र के समाजसेवी राजेश पटेल का कहना है कि 65 वर्षीय पशुपतिनाथ तिवारी सुबह के समय क्षेत्र की गली में टहल रहे थे तो अचानक स्ट्रीट डॉग्स का झुण्ड आया और उन पर हमला कर दिया। पशुपतिनाथ ने बचने का प्रयास किया, लेकिन गिरने के कारण उन्हें घुटने व कोहनी में चोटें आई हैं। परिजन उन्हें अस्पताल लेकर गए, ताकि उन्हें टीका लगवाया जा सके। पटेल का कहना है कि गत दिनों सर्वोच्च न्यायालय ने अपने आदेश में स्ट्रीट डॉग्स के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए थे, लेकिन गुरुग्राम में कई घटनाएं घटित हो चुकी हैं। फिर भी प्रशासन इन स्ट्रीट डॉग्स के खिलाफ कार्यवाही नहीं कर रहा है। हाल ही में एक बच्ची को भी स्ट्रीट डॉग ने काटा था, जिससे वह घायल हो गई थी।

बिना विवेक के न्याय केवल एक मशीन की तरह है : जस्टिस मिनी पुष्करना

- न्यायविदों के तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारम्भ
- ब्रह्माकुमारीज संस्थान के न्यायविद प्रभाग ने किया आयोजन

संवाददाता

गुरुग्राम। विजडम का अर्थ सबके प्रति प्यार और करुणा का भाव है। समाज में एक दूसरे के लिए सम्मान की भावना जरूरी है। यह विचार दिल्ली उच्च न्यायालय की न्यायाधीश मिनी पुष्करना ने व्यक्त किए।

ब्रह्माकुमारीज के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में शनिवार से शुरू हुए तीन दिवसीय सम्मेलन के शुभारम्भ में उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कहा कि न्याय बिना विवेक के एक मशीन की तरह है और विजडम बिना न्याय के दिशा रहित है। न्याय हमें आश्वस्त करता है। महत्वाकांक्षा के साथ जीने का अवसर देता है। न्याय के लिए केवल कानून ही नहीं, बल्कि प्यार और करुणा भी जरूरी है। लेकिन समय और सभ्यता के अनुसार न्याय बदलता चला गया। न्याय का अर्थ पर्यावरण के साथ संतुलन बनाए रखना है। लॉ का अर्थ किसी को बांधना नहीं बल्कि सामाजिक समरसता बनाए रखना है। ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी आशा दीदी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि हमारी संस्कृति में विजडम का

स्थान सर्वोपरि रहा है। उन्होंने कहा कि भारत आध्यात्मिकता में विश्व गुरु है। विवेक का उपयोग अनिवार्य है। हमें विवेक की प्रवृत्ति को जागृत करना है। उन्होंने कहा कि हमारे कर्म सबसे बड़े जज होते हैं। न्याय संगत होकर अपने कार्य को निमित भाव के साथ करना ही विजडम है। विजडम से समदर्शिता आती है। आंध्र प्रदेश, उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश वी. ईश्वरैया ने कहा कि न्याय का अर्थ सच्चाई और विश्वास है। न्याय समाज में समानता, एकता और भाईचारा स्थापित करता है। लेकिन वर्तमान समय न्यायिक प्रक्रिया में काफी मुश्किलें आ गई हैं। जस्टिस ईश्वरैया ने कहा कि वो काफी समय से राजयोग का अभ्यास कर रहे हैं। योग से उनके अंदर एक अद्भुत परिवर्तन हुआ। जिस कारण जो भी निर्णय लिए उनमें पारदर्शिता और संतुष्टता का अनुभव किया। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एवं संस्थान के न्यायिक प्रभाग के उपाध्यक्ष बी. डी. राठी ने कहा कि न्यायिक क्षेत्र में सुधार की आवश्यकता है। न्याय वो है जिसमें रहम, दया और करुणा हो। न्याय वो है जो दिव्य विवेक से किया जाए। न्यायविद प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक बीके नथमल ने प्रभाग के द्वारा की जा रही गतिविधि की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रभाग का उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े लोगों को आध्यात्मिक रूप से सशक्त करना है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश ए. आर. मसूदी ने कहा कि न्याय के तराजू का संतुलन जरूरी है। जिसके लिए स्व-अनुभूति की आवश्यकता है। जस्टिस मसूदी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान जाति धर्म से ऊपर उठकर मानवता के लिए कार्य कर रहा है। यहां आकर उन्हें सच्चा सेवाभाव देखने को मिलता है। जीवन को सुख-शांति सम्पन्न बनाने के लिए राजयोग जरूरी है। केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण के न्यायिक सदस्य राजवीर सिंह वर्मा ने कहा कि आज तथ्य का न्याय होता है, सत्य का नहीं। इसलिए न्याय के साथ आध्यात्मिक गुणों का समावेश जरूरी है। आत्म चिंतन और आत्म शुद्धि ही सद् विवेक का आधार है।

महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह में श्रेष्ठ सफाई योद्धाओं का होगा सम्मान

संत महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना के तहत आयोजित होगा समारोह

संवाददाता

गुरुग्राम। महर्षि वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष्य में मंगलवार सात अक्टूबर को जिला स्तरीय समारोह सिविल लाइन स्थित स्वतंत्रता सेनानी जिला परिषद हॉल में मनाया जाएगा। समारोह में

गुरुग्राम में स्वच्छ वातावरण बनाने में सहभागी रहे श्रेष्ठ सफाई योद्धाओं को सम्मानित करते हुए आमजन को भी स्वच्छता अपनाने का संदेश दिया जाएगा। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी (डीआईपीआरओ) बिजेंद्र कुमार ने शनिवार को बताया कि हरियाणा सरकार की ओर से सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के तत्वावधान में संत महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना के तहत प्रदेश भर में महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है, इसी कड़ी में गुरुग्राम में जिला स्तरीय समारोह मंगलवार को मनाया जाएगा।

डीआईपीआरओ ने बताया कि हरियाणा सरकार की ओर से संत महापुरुषों की जयंती को गरिमामयी ढंग से मनाया जा रहा है। समयानुसार प्रदेश स्तरीय व जिला स्तरीय समारोह का आयोजन करते हुए युवा शक्ति को महापुरुषों के दिखाए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

विश्वमित्रों वेलफेयर फाउंडेशन ने स्लम एरिया में महिलाओं को दिए सेनेटरी पैड्स

- सेक्टर-39 स्लम क्षेत्र में पहुंचे फाउंडेशन के सदस्य

संवाददाता

गुरुग्राम। स्लम एरिया की महिलाओं को शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुक कतरे हुए विश्वमित्रों वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से वेलमेट अस्पताल के साथ मिलकर उन्हें सेनेटरी पैड्स वितरित किए गए। सेक्टर-39 में महिलाओं को पैड्स वितरित करते हुए उन्हें महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। फाउंडेशन की प्रोजेक्ट मैनेजर मानवी वत्स ने बताया कि विश्वमित्रों का उद्देश्य महिलाओं को उनके स्वास्थय के प्रति जागरूक कर उन्हें सशक्त करना है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमत्री भी लगातार महिलाओं के उत्थान के लिए आह्वान कर रहे हैं। उससे प्रेरित होकर उनकी सस्था द्वारा इस कार्य को किया जा रहा है। सस्थां के डायरेक्टर प्रवीण शर्मा व उमेश गुप्ता का कहना है कि उनकी संस्था लगातार महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य व शिक्षा पर काम कर रही है। इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाली महिलाओं ने वादा किया कि वे शारीरिक स्वास्थ्य पर अन्य महिलाओं को जागरुक करेंगीं।

कोर्डिनेटर मनस्वी वत्स ने बताया कि अक्सर

देखने में आता है कि जागरुकता की कमी के चलते महिलाएं पैड्स का इस्तेमाल नहीं करतीं और गंभीर बिमारियों का शिकार हो जाती हैं। इस कार्यक्रम के दौरान वेलमेड अस्पताल की डायरेक्टर डा. प्रियंका गुप्ता की टीम ने मौजूद महिलाओं को माहवारी के दौरान कपड़ा इस्तेमाल करने से होने वाली बिमारियों के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम में संजय भारद्वाज, विशाल कौशिक, सुशमा शर्मा, डिम्पल, नेहा, स्नेह कुमारी, रजंना लाल सहित एनसीओ के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हरियाणा में ऐतिहासिक होगी बृजेंद्र सिंह की सद्भावः अनुराग कटारिया

पांच अक्टूबर से नरवाना के गांव दनौदा से शुरू होकर समस्त हरियाणा में जाएगी यात्रा

संवाददाता

गुरुग्राम। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के विदेशी मामले विभाग के उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता बृजेन्द्र सिंह द्वारा रविवार 5 अक्टूबर 2025 से सद्भाव यात्रा (कांग्रेस का हाथ भाईचारे के साथ) शुरू की जा रही है। यह यात्रा नरवाना के गांव दनौदा से शुरू होकर समस्त हरियाणा में भ्रमण करेगी। यात्रा का उद्देश्य प्रदेश की जनता के बीच सद्भाव का संदेश देना है।

इस यात्रा को लेकर समाजसेवी अनुराग कटारिया ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के विदेशी मामले विभाग के उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता बृजेन्द्र सिंह प्रदेश की जनता के बीच जाकर आपसी भाईचारे को इस यात्रा के माध्यम से मजबूती देंगे। यात्रा के शेड्यूल को लेकर अनुराग कटारिया ने बताया कि प्रथम चरण में आगामी सवा महीने में यह यात्रा प्रदेश के 14 हल्कों में जाएगी। दो दिन तक लगातार यात्रा नरवाना हलके में रहेगी। यात्रा 7

अक्टूबर को कलायत पहुंचेगी। दूसरे चरण में यात्रा नांगल चौधरी से शुरू होगी। यात्रा का ठहराव एक हलके में दो दिन तक रहेगा। यात्रा के पहले दिन नरवाना हलका के दनौदा गांव के ऐतिहासिक चबूतरे से शुरू होकर सच्चा खेड़ा, बडनपुर, सुंदरपुरा, धर्मगढ़ के बाद नरवाना में जाट धर्मशाला में रात्रि ठहराव होगा। छह अक्टूबर को बेलरखा से यात्रा शुरू होकर उझाना, नेपेवाला, धनौरी और कोयल पहुंचेगी।

अनुराग कटारिया ने कहा कि यात्रा में 36 बिरादरी के भाईचारे को मजबूत करने के साथ प्रदेश में बेरोजगारी, किसानों की मांगों और कानून व्यवस्था समेत जनहित के अनेक मुद्दों पर आधारित होगी। वर्तमान भाजपा सरकार ने बेरोजगारी बढ़ाने का काम किया है। प्रतिभाओं को खत्म करने का काम किया है। उच्च शिक्षित वर्ग को चपरासी की नौकरी के लिए जूझना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में सरकार को जनहित की सरकार नहीं कहा जा सका। सरकार अपने हित साध रही है।

कस्तूरी बाई ने सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए किया था बड़ा काम : डा. अग्रवाल

संवाददाता

गुडगांव। प्रसिद्ध कवि माखनलाल चतुर्वेदी की बहन कस्तूरी बाई देश की ऐसी कवियत्री थी, जिन्हें समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के लिए अंग्रेजों ने जेल की यातनाएं दी। उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए साहित्यकार डा. घमंडीलाल अग्रवाल ने कहा कि कस्तूरी बाई में बाल्यकाल से ही राष्ट्रीयता के संस्कार थे। उन्होंने समाज सेवा और राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेना प्रारंभ कर दिया था। महिला संगठन, चरखा सिखाने की कक्षा लेना, शराब एवं विदेशी वस्त्रों की दुकान पर धरना देना आदि उनके प्रमुख कार्य थे। उनका का जन्म 1892 में हुआ था। उनका विवाह किशोरी लाल उपाध्याय से हो गया था। लेकिन 21 वर्ष की अवस्था में ही विधवा हो गई थी। वह अपने भाई माखन लाल चतुर्वेदी के पास लगी थीं। डा. अग्रवाल का कहना है कि महात्मा गांधी केअसहयोग आंदोलन में उन्होंने भाग लिया था। 1932 में उन्होंने खंडवा में एक जुलूस का नेतृत्व किया, जिसके कारण उन्हें गिरफ्तार कर अंग्रेजों ने जेल में भेज दिया था। उन्होंने कहा कि जब तक उनका स्वास्थ्य अच्छा रहा, तब तक वह समाज सेवा का कार्य करती रहीं। इसी राष्ट्र सेवा के कारण मध्य प्रदेश कांग्रेस समिति ने उन्हें ताम्रपत्र देकर सम्मानित किया। 4 अक्टूबर 1979 को उनका निधन हो गया। डा. अग्रवाल ने महिलाओं से आग्रह किया कि वे कस्तूरी बाई के जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

महिला संगठन, चरखा सिखाने की कक्षा लेना, शराब एवं विदेशी वस्त्रों की दुकान पर धरना देना आदि उनके प्रमुख कार्य थे। उनका का जन्म 1892 में हुआ था। उनका विवाह किशोरी लाल उपाध्याय से हो गया था।

लोहिया वाहिनी ने मनाया सपा का 33वां स्थापना दिवस धूमधाम से

- देश के हर वर्ग की आवाज बन चुकी है समाजवादी पार्टी : मनीष यादव

संवाददाता

गुरुग्राम। समाजवादी पार्टी (सपा) के 33वें स्थापना दिवस पर समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी हरियाणा के अध्यक्ष मनीष यादव द्वारा जिले के गांव मोलाहेड़ा स्थित कार्यालय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और पार्टी के संस्थापक तथा पूर्व रक्षा मंत्री स्व. मुलायम सिंह यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प भी लिया।

मनीष यादव ने कहा कि सपा की राजनीति समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को न्याय और सम्मान दिलाने की रही है। नेताजी ने हमेशा गरीबों, किसानों, मजदूरों और युवाओं के हक की लड़ाई लड़ी। हमें उनके सपनों को पूरा करने के लिए समाजवादी विचारधारा को मजबूत बनाना होगा। उन्होंने कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की

अगुवाई में आज पार्टी उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है और देश के कोने-कोने तक जनमानस की आवाज बन चुकी है। पार्टी का यह 33वां स्थापना दिवस हमें समाज के हर वर्ग को जोडऩे और नेताजी के दिखाए रास्ते पर चलने का संकल्प दिलाता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया है कि वे हरियाणा में

स्वदेशी एवं स्वावलम्बन ही नये भारत का आधार

ललित गर्ग

संघ की स्थापना का यह अवसर केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। भागवत ने स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना महोत्सव यानी प्रत्येक वर्ष विजयदशमी के अवसर पर संघ प्रमुख का उद्बोधन एक नए संदेश और नये दृष्टिकोण के साथ सामने आता है, इस उद्बोधन का पूरा राष्ट्र इंतजार करता है। इस बार संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कई ऐसी बातें कहीं, जो सरकार के साथ समाज के लोगों का ध्यान खींचने वाली हैं। इस पर आश्चर्य नहीं कि उन्होंने अपने संबोधन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से भारत पर थोपे गए टैरिफ की चर्चा की। 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ ने भारत के समक्ष जो कठिन चुनौती खड़ी कर दी है, उसका प्रभावी ढंग से सामना स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही किया जा सकता है। भागवत ने संबोधन में स्वदेशी और स्वावलंबन को नए भारत का आधार बताया है। उन्होंने कहा कि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में परस्पर निर्भरता एक स्वाभाविक स्थिति है, लेकिन यह निर्भरता कभी भी बंधन या मजबूरी में परिवर्तित नहीं होनी चाहिए। भारत को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ना होगा ताकि विदेशी निर्णयों और नीतियों पर हमारी नियंत्रण क्षमता सीमित न हो जाए। उनका कहना था कि स्वदेशी का अर्थ यह नहीं है कि हम दुनिया से कट जाएं, बल्कि यह है कि हम अपनी शर्तों पर और अपनी आवश्यकताओं के अनुसार संबंध बनाएं।

संघ की स्थापना का यह अवसर केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। भागवत ने स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष सम्पूर्णता की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था। नई इबारत लिखते हुए भागवत ने स्पष्ट कहा कि संघ की कार्यप्रणाली का सार है, नए मनुष्य एवं सशक्त-स्वावलम्बी भारत का निर्माण। यह विचार सुनने में सरल लग सकता है, किंतु इसके निहितार्थ अत्यंत गहरे हैं। समाज और राष्ट्र की सारी समस्याओं का मूल व्यक्ति के भीतर छिपा है। इसीलिये देश के सभी वर्गों को एकसूत्र में जोड़ने के संकल्प के साथ संघ आगे बढ़ेगा क्योंकि जब तक व्यक्ति का चरित्र, दृष्टि और आचरण नहीं बदलते, तब तक कोई भी व्यवस्था स्थायी रूप से परिवर्तित नहीं हो सकती। संघ व्यक्ति-निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र को बदलने की दीर्घकालिक

साधना कर रहा है। यही कारण है कि संघ के कार्य का परिणाम केवल शाखाओं या कार्यक्रमों में नहीं मापा जा सकता, बल्कि उस अदृश्य लेकिन ठोस नैतिक शक्ति एवं सशक्त राष्ट्रीय भावना में देखा जा सकता है, जो धीरे-धीरे समाज की दिशा बदल रही है।

भागवत ने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक दृष्टि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने विविधता को भारत की विशेषता बताया और समाज में विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर चेताया। उन्होंने पंच परिवर्तन की संकल्पना भी प्रस्तुत की जिसमें आत्मजागरूकता, पारिवारिक मूल्य, नागरिक अनुशासन और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता को जोड़ा गया है। इस संदेश के सकारात्मक पक्ष अनेक हैं। यदि इसे गंभीरता से अपनाया जाए तो यह देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को नई दिशा दे सकता है। स्थानीय उद्योगों, हस्तशिल्प और कृषि को बढ़ावा देने से रोजगार का सृजन होगा और आर्थिक आत्मसम्मान मजबूत होगा। स्वदेशी पर बल देने से विदेशी निर्भरता घटेगी और देश की सुरक्षा व नीति संबंधी स्वतंत्रता बढ़ेगी। यदि समाज के स्तर पर भी इस सोच को अपनाया जाए तो उपभोक्तावाद के स्थान पर संवेदनशीलता और सेवा भाव विकसित होगा। विविधता के सम्मान और सामाजिक सद्भाव के आग्रह से राष्ट्र अधिक एकजुट और शक्तिशाली बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जिस आत्मनिर्भर भारत का आह्वान कर रहे हैं, उसका मूल उद्देश्य केवल आर्थिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं है। यह संदेश देश की घरेलू क्षमताओं को सशक्त बनाने, आयात पर निर्भरता घटाने और स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ विकास की दिशा को व्यापक सामाजिक सरोकारों से भी जोड़ता है, जिसमें महात्मा गांधी की ह्यस्वदेशी अपनाओह्न और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की ह्यअंत्योदयह्न की परिकल्पना स्पष्ट तौर पर समाहित है।

स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही नया भारत-सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है। इस बात को सरकार भी रेखांकित कर चुकी है और अब संघ प्रमुख ने भी दोहरा दिया। यह समय की मांग है कि स्वदेशी और स्वावलंबन पर तब तक बल दिया जाए, जब तक वांछित सफलता न मिल जाए। जहां सरकार को स्वदेशी की राह को आसान करना होगा, वहीं समाज को सहयोग देने के लिए तत्पर रहना होगा। इस उम्मीद में नहीं रहा जाना चाहिए कि अमेरिका के साथ शीघ्र ही आपसी व्यापार समझौता हो जाएगा। एक तो जब तक ऐसा हो न जाए तब तक चैन से नहीं बैठा जा सकता और दूसरे, यदि ऐसा हो जाए तो भी भारत को स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलना छोड़ना नहीं चाहिए। व्यापारिक साझेदारों पर निर्भरता लाचारी में नहीं बदलनी चाहिए। वास्तव में इस स्थिति से बचने का ही उपाय है स्वदेशी उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करना। परंतु इस संदेश के साथ कई चुनौतियां और सीमाएं भी जुड़ी हुई हैं। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था इतनी आपस में गुँथी हुई है कि किसी भी देश का पूर्ण स्वावलंबन व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। अनेक तकनीकें और कच्चे माल अब भी हमें विदेशों से ही प्राप्त करने होते हैं। यदि स्वदेशी को बढ़ावा देने के नाम पर विदेशी व्यापार पर प्रतिबंध या अधिक शुल्क लगाए जाते हैं तो यह व्यापार युद्ध और आर्थिक तनाव को जन्म दे सकता है। इस संदेश की सफलता केवल भाषणों और भावनात्मक नारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि ठोस नीतियों, बजट, शोध और योजनाओं के आधार पर इसे अमल में लाना होगा।

सामाजिक दृष्टि से भी यह आवश्यक है कि स्वदेशी और स्वावलंबन का नारा केवल एक सांस्कृतिक या राजनीतिक रंग में न ढल जाए। यह तभी कारगर होगा जब इसे हर वर्ग, हर धर्म और हर क्षेत्र का साझा लक्ष्य बनाया जाएगा। नागरिकों की आदतों और व्यवहार में बदलाव लाना आसान नहीं है, लेकिन यदि यह बदलाव शिक्षा, प्रोत्साहन और जनचेतना के माध्यम से लाया जाए तो यह नारा समाज में गहरी जड़ें जमा सकता है। संघ प्रमुख का यह संदेश नए भारत की दिशा में प्रेरणा का स्रोत है। यह हमें बताता है कि हमें अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति पर गर्व करना चाहिए, वैज्ञानिक और तकनीकी दृष्टि से सशक्त होना चाहिए और विश्व के साथ संवाद स्थापित करते हुए भी अपनी स्वायत्तता को बनाए रखना चाहिए। किंतु इसके लिए आलोचनात्मक विवेक, व्यावहारिक सोच और निरंतर समीक्षा की आवश्यकता है। आज विभिन्न देशों की परस्पर मित्रता का आधार अपने-अपने आर्थिक-कूटनीतिक हित हैं। इन स्थितियों में सर्वोत्तम उपाय स्वदेशी को बल देते हुए देश को आत्मनिर्भर बनाना है। आज की वैश्विक परिस्थितियों पर दृष्टि डालें तो भागवत के विचार और भी प्रासंगिक हो उठते हैं। दुनिया हिंसा, आतंकवाद, युद्ध और उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ से त्रस्त है। पर्यावरण संकट दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है। मानसिक तनाव और आत्मकेंद्रित जीवन-शैली ने मानव को भीतर से खोखला कर दिया है। इन परिस्थितियों में भारत ही वह देश है, जो एक वैकल्पिक जीवन-दर्शन दे सकता है।

संपादकीय

मौत का सिरप

कैसी विडंबना है कि जीवन रक्षा के लिये दी जाने वाली दवा मौत का कारण बन जाए। जो दवा की संदिग्ध गुणवत्ता और निमार्ता कंपनियों की आपराधिक लापरवाही को ही उजागर करती है। जाहिर है रसायनों की घातकता की मात्रा और गुणवत्ता में कोई खोट इस तरह के हादसों का सबब बना होगा। राजस्थान में कुछ बच्चों की मौत की वजह का संबंध उस सिरप से बताया जा रहा है, जो खांसी ठीक करने के लिये दिया गया। ये हादसे इस बात को रेखांकित करते हैं कि दवा की गुणवत्ता में चूक सामान्य उपचार को कितने जानलेवा जोखिम में बदल सकती है। बताया जाता है कि बच्चों को कथित रूप से मुख्यमंत्री की मुफ्त दवा योजना के तहत सरकारी अस्पतालों में एक जेनेरिक खांसी की सिरप दी गई थी। जबकि इस मामले में जांच चल रही है, यह त्रासदी भारत की फार्मास्यूटिकल निगरानी तंत्र की कोताही ही उजागर करती है। खासकर हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में, जो फार्मा हब के रूप में प्रमुख रूप से उल्लेखित है। महत्वपूर्ण है कि हिमाचल प्रदेश की 655 फार्मास्यूटिकल इकाइयों में से केवल 122 ही जीएमपी यानी गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज के संशोधित शेड्यूल एम मानकों के तहत अपग्रेड करने के लिये पंजीकृत हैं। इसका मतलब यह है कि अधिकांश फार्मा इकाइयां गुणवत्ता मानकों के अनुपालन को प्रमाणित किए बिना काम कर रही हैं। ये जनस्वास्थ्य के प्रति कितनी गैरजिम्मेदार स्थिति है। जबकि हकीकत यह है कि फार्मास्यूटिकल इकाइयों को अपग्रेड करने की समय सीमा कई बार बढ़ाई गई है। यह नियामक तंत्र की कमजोरियों और छोटी फर्मों में सुरक्षित प्रक्रियाओं में निवेश करने की अनिच्छा को ही उजागर करती है। यह विडंबना ही है कि हमारा तंत्र जन-स्वास्थ्य के खिलवाड़ के प्रति उदासीन बना हुआ है। निस्संदेह, जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया, उनके लिये यह बहस कोई सांत्वना नहीं है। उन्हें सही मायनों में सांत्वना तभी मिलेगी जब आपराधिक लापरवाही करने वालों को दंडित किया जाएगा। विडंबना यह है कि अतीत में भी ऐसी कई त्रासदियां हुई हैं, लेकिन हमारे तंत्र ने इससे कोई सबक नहीं सीखा। हालांकि शुक्रवार को केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को परामर्श जारी किया है कि दो साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी और सर्दी की दवाइयां नहीं दी जाएं। वर्ष 2020 में भी एक ऐसी त्रासदी सामने आई थी, लेकिन कुछ दिन के शोर के बाद मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। विडंबना देखिए कि मृत बच्चों के परिजन आज भी न्याय की प्रतीक्षा में आंसू बहा रहे हैं। हकीकत यह है कि ऐसी मौतों की जिम्मेदारी तय करने में लगातार देरी होती रहती है। ऐसे हादसों को या तो कमतर दर्शाया जाता है या फिर पूरी तरह से अस्वीकार कर दिया जाता है।

चिंतन-मनन

गुरु तत्व का सम्मान

जब भी तुमने बदले में किसी आशा के बिना किसी के किए कुछ भी किया हो, किसी को कोई सलाह दी हो, लोगों का मार्गदर्शन किया हो, उन्हें प्रेम दिया हो और उनकी देख-भाल की हो, तब तुमने गुरु की भूमिका निभाई है। गुरु तत्व सम्मान करने की और विश्वास करने की चीज है। तुम्हारे आस पास कितने लोग हैं जो सब के मूड, भावनाओं और दोषारोपण के बीच अटके हुए हैं। लेकिन अगर तुम्हारे पास गुरु हैं तो तुम्हें इन सब बातों से कोई फर्क नहीं पड़ेगा और अगर पड़ेगा भी तो वह कुछ मिनटों से ज्यादा टिकने वाला नहीं। जब व्यक्ति गुरु तत्व के इस सिद्धांत के साथ चलता है, तब सभी सीमाएं गिर जाती हैं और वह आस पास के सभी व्यक्तियों और सारे ब्रह्मांड के साथ एक होने का अनुभव करने लगता है। जब यह ज्ञान प्रकट होता है, दुःख गायब हो जाता है और आत्म-ग्लानि के लिए कोई स्थान नहीं रहता। अगर तुम्हारे भीतर आत्म-ग्लानि है, तो इसका अर्थ है अभी तक तुम गुरु तक आए नहीं हो। गुरु तक आने का अर्थ है श्रद्धा होना कि गुरु हमेशा हमारे साथ है। इसका अर्थ है हमें जो भी चाहिए वो होगा और हमें रास्ता दिखाया जाएगा। जीवन में शांति सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा रास्ता साधना, सत्संग, आत्म-चिंतन और भक्ति द्वारा गुरु के निकट रहना है। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि तुममें आध्यात्मिकता मजबूत हो। हालांकि जब तुम शारीरिक रूप से गुरु के निकट नहीं हो पाते, तब भी मन और आत्मा से तुम गुरु के निकट हो सकते हो। जब व्याकुलता बहुत ज्यादा बढ़ जाए, तब समर्पण में आसन पाओ। गुरु या ईश्वर को समर्पण कर दो। गुरु को उनके शारीरिक रूप और व्यक्तित्व से परे देखो। ईश्वर, आत्मा और गुरु में कोई अंतर नहीं है। गुरु तुम्हारे असली स्वभाव का ही प्रतिबिम्ब है और तुम्हें आत्मा में वापस अग्रसर करने के लिए मार्गदर्शक है। अपनी लगन, श्रद्धा और वचनबद्धता से तुम स्पष्ट रूप से देख सकते हो कि चाहे कैसी भी परिस्थिति हो, जिस पल तुम गुरु को गुरु मान लेते हो, उनके सभी गुण प्राप्त करना संभव हो जाता है। एक बार जब गुरु उपाय बन जाते हैं, तुम जीवन में कभी पराजित नहीं होते। गुरु के लिए भक्ति काफी है। गुरु यहां तुम्हारे लिए हैं और तुम्हारे अच्छे और बुरे समय के दौरान तुम्हारे साथ हैं। तुम अकेले नहीं हो तो गुरु को ढूंढ़ निकालो और स्वाभाविक रूप से जियो और प्रेम और आनंद में खुशी मनाओ।

जरूरी है राष्ट्र निमार्ता के रूप में शिक्षकों का सम्मान

श्वेता गोयल

एक ओर जहां भारत में द्वितीय राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के अवसर पर 5 सितम्बर को 'शिक्षक दिवस' मनाया जाता है, वहीं दुनिया के अनेक देश 5 अक्तूबर को 'विश्व शिक्षक दिवस' मनाते हैं और इस अवसर पर शिक्षकों के सम्मान में दुनियाभर के देशों में तरह-तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। दरअसल किसी भी देश के विकास की कल्पना शिक्षा के बिना बेमानी ही है, इसीलिए दुनियाभर के शिक्षकों के महत्व और उनके योगदान को सम्मान देने के लिए ही विश्व शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिवस मनाने का मूल उद्देश्य विश्वभर में शिक्षण और शिक्षकों के मूलभूत मुद्दों पर चर्चा करना है। वर्ष 1960 के आसपास करीब सभी देशों में शिक्षकों को विभिन्न प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता था, जिसके लिए 5 अक्तूबर 1966 को 'टीचिंग इन फ्रीडम संधि' को मूर्त रूप दिया गया। इसमें दुनियाभर के शिक्षकों की स्थिति को सुधारने और उन्हें जागरूक करने के लिए एक समझौता पारित किया गया। दरअसल 5 अक्तूबर 1966 को पेरिस में एक कांफ्रैंस का आयोजन किया गया था, जिसमें शिक्षकों के अधिकार और जिम्मेदारी सहित उनसे संबंधित कई मुद्दों पर यूनेस्को तथा अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की सिफारिशों को यूनेस्को द्वारा अपनाया गया था। यूनेस्को और आईएलओ की उस बैठक में शिक्षकों के अधिकारों, जिम्मेदारियों, रोजगार और शिक्षा के लिए दिशा-निर्देश बनाने का प्रस्ताव रखा गया था, जिसके बाद शिक्षक दिवस को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाने के लिए 1994 में 100 देशों के समर्थन के साथ संयुक्त राष्ट्र में यूनेस्को की इन सिफारिशों को पारित कर दिया गया। उसी के बाद 5 अक्तूबर 1994 से विश्व शिक्षक दिवस की शुरूआत हुई और तभी से प्रतिवर्ष 5 अक्टूबर को इसे विश्व शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इस वर्ष पूरी दुनिया 31वां विश्व शिक्षक दिवस मना रही है।

यूनेस्को द्वारा विश्व शिक्षक दिवस के लिए प्रतिवर्ष एक थीम निर्धारित की जाती है और विश्व शिक्षक दिवस 2025 का आधिकारिक विषय है 'शिक्षण को एक सहयोगात्मक पेशे के रूप में पुनः स्थापित करना'। यूनेस्को का मानना है कि पूरी दुनिया को इस समय वैश्विक स्तर पर शिक्षकों की अभूतपूर्व कमी का सामना करना पड़ रहा है, जो उनकी कामकाजी परिस्थितियों और स्थिति में गिरावट के कारण और भी गंभीर हो गई है। 2022 में विश्व शिक्षक दिवस 'शिक्षा का परिवर्तन शिक्षकों से शुरू होता है' थीम के साथ मनाया गया था। दरअसल वैसे तो व्यक्ति जीवनभर सीखता रहता है लेकिन शिक्षक के बिना सही ज्ञान नहीं मिलता, इसीलिए शिक्षक दिवस का विशेष महत्व होता है। 5 अक्तूबर के दिन विश्वभर में 100 से भी ज्यादा देशों में विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर तरह-तरह के आयोजन किए जाते हैं। प्रत्येक देश में इस दिन का अपने-अपने तरीके से स्वागत किया जाता है। कई देशों में तो इस दिन सार्वजनिक अवकाश भी रखा जाता है लेकिन वहां अवकाश के इन पलों को लोग अपने शिक्षकों के साथ किसी न किसी रूप में शेयर करते हैं। सही मायनों में विश्व शिक्षक दिवस महज सार्वजनिक अवकाश नहीं बल्कि एक वैश्विक उत्सव है।

हालांकि भारत सहित कुछ देश ऐसे भी हैं, जहां शिक्षक दिवस मनाए जाने की तारीख अलग-अलग हैं लेकिन सभी का उद्देश्य एक ही है। चीन में कन्फ्यूशियस के जन्मदिन के अवसर पर 27 अगस्त 1939 को शिक्षक दिवस मनाना आरंभ किया गया था किन्तु 1951 में यह घोषणा वापस ले ली गई और 1985 से 10 सितम्बर को शिक्षक दिवस मनाया जाने लगा। रूस में 1994 से 5 अक्तूबर को ही शिक्षक दिवस मनाया जाता है किन्तु 1965 से 1994 तक अक्तूबर माह के पहले रविवार को यह दिवस मनाया जाता था। ईरान में 2 मई 1980 को प्रोफेसर अयातुल्लाह मोतेर्जा मोतेहारी की हत्या के बाद उसी दिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। मलेशिया में शिक्षक दिवस को 'हरि गुरू' के नाम से जाना जाता है, जो 16 मई को मनाया जाता है। वहां 16 मई 1956 को रजाक रिपोर्ट स्वीकृत हुई थी, जिसके आधार पर वहां शिक्षा प्रणाली का चयन हुआ था। उसी दिन को बाद में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। थाईलैंड में 1957 से ही प्रतिवर्ष 16 जनवरी को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। उस दिन वहां सभी स्कूलों में अवकाश रहता है। तुर्की में यह दिवस 24 नवम्बर को जबकि अमेरिका में 6 मई को मनाया जाता है और इस उपलक्ष्य में माह के पहले सप्ताह में पूरे सप्ताह तक आयोजन होते हैं।

आस्ट्रेलिया में शिक्षक दिवस अक्तूबर महीने के अंतिम शुक्रवार को मनाया जाता है जबकि अर्जेन्टीना में इस दिवस का आयोजन डोमिनो फास्टिनो सामिएंटो की मृत्यु के दिन 11 सितम्बर को किया जाता है। वियतनाम में 1958 में 20 नवम्बर को पहली बार यह दिवस अंतर्राष्ट्रीय शिक्षकों के घोषणा पत्र के रूप में मनाया गया था और 1982 में इसे पुनः नार्मांकित कर वियतनामी शिक्षक दिवस के रूप में घोषित किया गया। पेरू में 6 जुलाई 1953 को वहां के राष्ट्रपति मैनुएल ए आड्रिया ने एक अध्यादेश पारित कर इस दिन को शिक्षक दिवस के रूप में घोषित

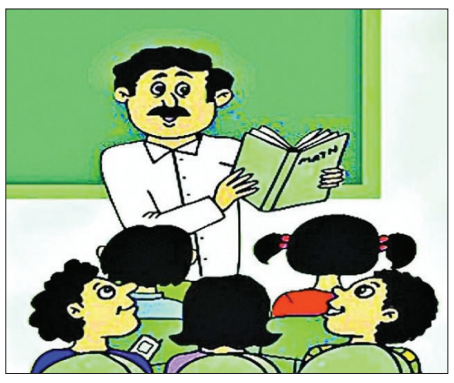

किया था जबकि पाकिस्तान में यह अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के दिन 5 अक्तूबर को ही मनाया जाता है। चिली में 16 अक्तूबर को शिक्षकों के कॉलेज की स्थापना हुई थी, उसी उपलक्ष्य में वहां 16 अक्तूबर 1977 से इसी दिन शिक्षक दिवस मनाया जाने लगा जबकि ब्राजील में शिक्षक दिवस का आयोजन 15 अक्तूबर को किया जाता है। दरअसल 15 अक्तूबर 1827 को वहां पेड्रो ने प्राथमिक शिक्षा को नियंत्रित किया था लेकिन अधिकारिक रूप में 15 अक्तूबर को ही शिक्षक दिवस मनाने के लिए मान्यता 1963 में मिली थी। बहरहाल, यूनेस्को का कहना है कि 5 अक्तूबर को अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस घोषित करने से दुनियाभर में सेवारत तमाम शिक्षकों को उनके द्वारा शिक्षा और विकास के क्षेत्र में दिए जा रहे अहम योगदान से लोगों को अवगत कराया जाता है, जिससे आम लोगों को शिक्षकों के बारे में और अधिक समझने का अवसर मिलता है।

(लेखिका डेढ़ दशक से अधिक समय से शिक्षण क्षेत्र में सक्रिय हैं)

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

भारत को पीओके की पुकार: पाकिस्तान के अत्याचारों से मुक्ति

दिलीप कुमार पाठक

धर्म के नाम पर पाकिस्तान की स्थापना हुई थी, यही कारण है कि आजतक पाकिस्तान राजनीतिक रूप से स्थायी नहीं है, कोई न कोई बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम होता ही रहता है' बांग्लादेश, अफगानिस्तान के अलगाव के बाद पीओके यानि पाक अधिकृत कश्मीर में हमेशा पाकिस्तान से अलग होने की आवाजें बुलन्द होती रहती हैं' अभी कुछ महीनों पहले अपनी आवाज दुनिया तक पहुंचाने के लिए वहाँ के विद्रोही लोगों ने ट्रेन हाईजैक कर लिया था, खासी मुठभेड़ के बाद पाकिस्तान की सेना ने वहाँ की विरोधी आवाजों का दमन कर दिया था' पाकिस्तानी सेना ने अब तब पीओके पर दमनपूर्वक जबरन कब्जा कर रखा है, अन्यथा वहाँ कई बार भारत में विलय एवं जनमत संग्रह की मांगें उठती रहती हैं' अब देखना यह है कि पाकिस्तानी सेना कब तक इन आवाजों को दबा पाती है' अभी हाल फिलहाल पीओके में विरोध प्रदर्शन मुख्य रूप से बिजली संकट, महंगे बिल, इंटरनेट ब्लैकआउट, मानवाधिकार उल्लंघन, और आर्थिक उपेक्षा के खिलाफ शुरू हुआ है' जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी इन प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रही है' पाकिस्तानी

नेतृत्व पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में जनता की बुनियादी जरूरतों को भी पूरा करने में फेल साबित हो रहा है' पाक अधिकृत कश्मीर में स्थानीय लोगों के प्रदर्शन के दौरान पाकिस्तानी सेना का अत्याचार अब संयुक्त राष्ट्र तक तक पहुंच गया है' वैसे भी पीओके पर जुल्म इतना बढ़ गया है कि वहाँ की चीखें पूरी दुनिया में सुनाई देने लगी हैं, वो तो भारत सरकार की नीतियों की विफलता है अन्यथा अब तक पीओके भारत का हिस्सा बन चुका होता' देश जमीन के टुकड़ों पर नहीं बनता बल्कि देश में रहने वाले लोगों के कारण देश बनता है, जहां पाकिस्तान मानवीय मूल्यों को ताक पर रखकर जबरदस्ती लोगों पर राज करना चाहता है, हालांकि अब बड़ा कठिन सा प्रतीत हो रहा है' पीओके के राजनीति दलों ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से मांग की है कि वठ तुरंत यहां दखल दे और यहां की जनता को पाकिस्तानी सेना के अत्याचार से बचाए' 29 सितंबर से चल रहे नागरिकों के प्रदर्शन में अब तक 12 लोग मारे जा चुके हैं' एक जान की भी कीमत होती है, पाकिस्तान की सेना को इसका खामियाजा जरूर भुगतना होगा'

स्विटजरलैंड के जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद 60वें सेशन के दौरान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की पार्टी (यूनाइटेड कश्मीर पीपुल नेशनल पार्टी) ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि पाकिस्तान को कश्मीरियों को मारने, हमारी जमीन और हमारे संसाधनों पर कब्जा करने, हमारे लोगों पर अत्याचार करने और उन्हें खत्म करने का कोई हक नहीं है' पीओके के स्थानीय नेता इस मुद्दे को पूरी दुनिया के सामने लेकर आए हैं, हालांकि उन्होंने कितना शोषण, दमन झेला है, इसकी कल्पना करना भी असहनीय पीड़ा को सहन करने जैसा है' यूनाइटेड कश्मीर पीपुल नेशनल पार्टी के प्रवक्ता सरदार नासिर अजीज खान ने जिनेवा में कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर में कई लोग गायब हो गए हैं, परंतु हाल ही में कश्मीर में जो हो रहा है, उससे लोग अपनी जान को लेकर चिंतित हैं क्योंकि 29 सितंबर से अब तक 12 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है' नासिर ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान यहां के लोगों पर क्रूर बल प्रयोग कर रहा है और प्रदर्शनकारियों पर अंधाधुंध गोलियां चला रहा है जिससे लोग मारे जा रहे हैं' सैकड़ों लोग जेल में हैं और उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है' उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में इस अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के जमावड़े के माध्यम से हम आग्रह करते हैं कि संयुक्त राष्ट्र उन कश्मीरियों की जान बचाने के लिए हस्तक्षेप करे जो पाकिस्तानी कब्जे में रह रहे हैं' कश्मीरियों के साथ बहुत बुरा व्यवहार किया जा रहा है। इसके बाद उन्होंने इस्लामाबाद प्रेस क्लब में इस मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस के एक्शन की निंदा की' पीओके पर पाक सेना को कश्मीरियों को मारने, जमीन और संसाधनों पर कब्जा करने और उन लोगों पर अत्याचार करने और उन्हें खत्म करने का कोई हक नहीं है' निरन्तर विरोधी आवाजें गूँज रही हैं' 2 अक्टूबर 2025 पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी के सदस्य इस्लामाबाद प्रेस क्लब के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे इस दौरान पुलिस प्रेस क्लब में घुस गई, पुलिस ने प्रदर्शन बल पूर्वक कुचलने के लिए क्लब के अंदर घुसकर पत्रकारों और स्टाफ पर लाठीचार्ज किया, कैफेटेरिया को तोड़ा-फोड़ा, कैमरे और मोबाइल फोन तोड़े और कुछ लोगों को गिरफ्तार किया' वीडियो फुटेज में पुलिस को पत्रकारों को घसीटते और पीटते हुए दिखाया गया है' यह घटना पीओके में चल रहे पांचवें दिन के विरोध प्रदर्शनों के बीच हुई, जहां बाजार बंद हैं और इंटरनेट कटा हुआ है' इस मुद्दे पर भारत को दखल देते हुए पाकिस्तान को कड़ा संदेश देना चाहिए कि पीओके पर जुल्म खत्म हो, भारत सरकार को बांग्लादेश की तरह इसका हल निकालना होगा, पूरी दुनिया पीओके की स्थिति से वाकिफ है, हालांकि यूएनओ कुछ नहीं कर पाएगा, अब तो भारत को ही इसका हल निकालना होगा' पीओके की जनता भारत के साथ विलय चाहती है' पाकिस्तान को सबक सिखाने का भरपूर मौका है, जो भारत को गंवाना नहीं चाहिए'

आरबीआई ने दो फाइनेंस कंपनियों पर लगाया लाखों का जुर्माना

क्रेडिट कार्ड व केवायसी नियमों के उल्लंघन का मामला

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्प पर क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड से जुड़े नियमों का पालन न करने के लिए 31.80 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने 31 मार्च 2024 तक की वित्तीय स्थिति की समीक्षा के दौरान गंभीर अनियमितताएं पाईं। जांच में सामने आया कि अमेरिकन एक्सप्रेस ने कुछ क्रेडिट कार्डधारकों के असफल या गलत लेनदेन से बने क्रेडिट बैलेंस को ग्राहकों को वापस लौटाने का प्रयास नहीं किया। इस लापरवाही को **RBI** ने गंभीर नियामक उल्लंघन माना है। इसी दौरा आरबीई ने एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज पर भी 4.2 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। कंपनी वित्त वर्ष 2023-24 में वितरित कुछ ऋण खातों में पैन कार्ड या संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराने में विफल रही। यह उल्लंघन 'केवाईसी निर्देश, 2016' के प्रावधानों के खिलाफ माना गया। **RBI** ने इस लापरवाही को नियामक अनुपालन में कमी बताया। आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि ये जुर्माने केवल नियामक अनुपालन की कमियों के कारण लगाए गए हैं। इन जुर्मानों का कंपनियों के कारोबार या उनके लेन-देन की वैधता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

आरबीआई की यह कार्रवाई वित्तीय प्रणाली में पारदर्शिता और अनुशासन बनाए रखने के लिए की गई है।

अगले सप्ताह आएंगे पांच बड़े आईपीओ

27000 करोड़ तक जुटाने की तैयारी

मुंबई

इस सप्ताह शेयर बाजार में आईपीओ का बड़ा धमाल लेकर आ रहा है। करीब 27,000 करोड़ के फंड जुटाने की तैयारी के साथ कुल 29 लिस्टिंग्स होने जा रही हैं। इस आईपीओ वेव की अगुवाई टाटा कैपिटल और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया कर रही हैं, जो निवेशकों के लिए एक बड़ा अवसर हो सकता है। टाटा कैपिटल, एक अग्रणी एनबीएफसी का आईपीओ 6 से 8 अक्टूबर तक खुलेगा। कुल साइज 15,500 करोड़ का है, जिसमें 6,846 करोड़ का फ्रेश इश्यू और 8,666 करोड़ का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल है। यह टाटा ग्रुप का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ है। टाटा सॉन्स और आईएफसी अपने शेयर बेचेंगे। इसके बाद एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडियो का आईपीओ 7 से 9 अक्टूबर तक खुलेगा। यह पूरी तरह ओएफएस होगा, जिसमें साउथ कोरियन पैरेंट कंपनी 10.18 करोड़ शेयर बेचेगी, जिससे 11,600 करोड़ रुपए जुटाए जाएंगे। इसका प्राइस बैंड 1,080-1,140 रुपए है और न्यूनतम निवेश 14,904 रुपए तय किया गया है। इसके अलावा भी कई बड़े आईपीओ लाइन अप हैं- वीवर्क इंडिया (3,000 करोड़), रुबिकॉन रिसर्च (1,377 करोड़), एनएसडीएल, एचडीबी फाइनेंशियल और अनंतम हाईवेज ट्रस्ट जैसे नाम शामिल हैं।

भारतीय दवा कंपनियों को अमेरिका में टैरिफ से राहत मिलने की संभावना

मुंबई

भारतीय दवा कंपनियां अमेरिका की दिग्गज कंपनी फाइजर के नक्शेकदम पर चलकर अमेरिका में दवाओं पर लगने वाले टैरिफ में कटौती के लिए समझौता कर सकती हैं। अमेरिकी सरकार पेटेंट वाली दवाओं के आयात पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगा रही है, जिससे भारतीय कंपनियों को आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ सकता है। विश्लेषकों के अनुसार यदि भारतीय कंपनियां अमेरिका में मेडिकेड और मेडिकेयर कार्यक्रमों के तहत दवाओं की कीमतें कम करने पर सहमत होती हैं, तो वे टैरिफ से बच सकती हैं। फाइजर ने अमेरिका में मेडिकेड प्रोग्राम में अपनी दवाओं के दाम अन्य विकसित देशों के स्तर पर कम करने का समझौता किया है, जिससे उसे टैरिफ में राहत मिली है। नुवामा के विश्लेषकों का मानना है कि भारतीय कंपनी सन फार्मास्युटिकल अगर इसी तरह कोई समझौता करती है या अमेरिका में विनिर्माण शुरू करती है, तो वह भी टैरिफ से बच सकती है। सन फार्मास्युटिकल की प्रमुख दवा इलुम्या का अधिकांश राजस्व मेडिकेयर कार्यक्रम से आता है, जो 65 वर्ष या उससे अधिक आयु वाले लोगों के लिए है। मेडिकेयर संघीय स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम है जो बुजुर्गों और कुछ गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों को कवर करता है, जबकि मेडिकेड संयुक्त राज्य और राज्य सरकारों का कार्यक्रम है जो कम आय वाले परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करता है। मेडिकेयर की पात्रता उम्र और विकलांगता पर आधारित होती है, जबकि मेडिकेड आय और परिवार की स्थिति पर निर्भर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सभी नई दवाओं के लिए 'सर्वाधिक पसंदीदा देश' (एमएफएन) के तहत दाम तय करने की नीति लागू की है, जिससे अमेरिकी बाजार में दवाओं की कीमतें कम हो सकती हैं।

भारत में स्मार्टफोन शिपमेंट में 5जी हैंडसेट की हिस्सेदारी 87 फीसदी बढ़ी

अब वैश्विक स्तर पर 14वें स्थान पर, दक्षिण कोरिया-जापान सूची में टॉप पर

नई दिल्ली

भारत में कुल स्मार्टफोन शिपमेंट में 5जी हैंडसेट की हिस्सेदारी 2025 की पहली छमाही में 87 फीसदी तक बढ़ गई है, जो देश में उपभोक्ताओं के बीच नए तकनीक वाले फोन को अपनाने की बढ़ते ट्रेड को दिखाता है। डेटा के मुताबिक भारत अब वैश्विक स्तर पर 14वें स्थान पर है।

किसी देश की रैंकिंग उसके कुल स्मार्टफोन शिपमेंट में 5जी हिस्से के आधार पर तय होती है। 2023 की पहली छमाही में यह हिस्सेदारी 47 फीसदी थी और देश 40वें स्थान पर था। 2024 की पहली छमाही में यह बढ़कर 74 फीसदी हो गई और भारत 29वें स्थान आ गया। हालांकि, भारत को अभी लंबा रास्ता तय करना है।

ज्यादातर विकसित देशों में 5जी की हिस्सेदारी 90 फीसदी या उससे ज्यादा है। इसका कारण यह है कि 30 करोड़ से ज्यादा भारतीय अभी भी 2जी और 3जी फोन इस्तेमाल कर रहे हैं और 4जी में अपग्रेड होने की प्रक्रिया भी धीमी रही है। दक्षिण कोरिया और जापान इस सूची में टॉप पर हैं, जहां 2025 की पहली छमाही में कुल स्मार्टफोन शिपमेंट में 5जी फोन का हिस्सा 97 फीसदी रहा। इसके बाद चीन और कनाडा 94 फीसदी के साथ हैं और अमेरिका थोड़ा पीछे 93 फीसदी पर है। एक विश्लेषक का कहना है कि भारत को टॉप 5 में आने में दो से तीन साल लगेंगे क्योंकि पश्चिमी यूरोपीय देशों में 5जी पहले से ही है, लेकिन उनका मानना है कि भारत 2026 तक 90 फीसदी का आंकड़ा पार कर जाएगा। भारत ग्लोबल एवरेज से आगे था, जो 2025 की पहली छमाही में कुल शिपमेंट का 71 फीसदी था। आंकड़ों के मुताबिक सूची में निचले दस देशों में पाकिस्तान और बांग्लादेश शामिल हैं, जिनके शिपमेंट में औसतन 5जी का योगदान 15 फीसदी था। वेनेजुएला इस सबसे नीचे था, जहां 5जी की हिस्सेदारी कुल स्मार्टफोन शिपमेंट का मात्र 1 फीसदी थी, जबकि निचले दस देशों में से छह अफ्रीकी देश थे, जिनमें घाना, तंजानिया, इथियोपिया, केन्या, कांगो और अल्जीरिया शामिल थे। इनकी हिस्सेदारी 11 फीसदी से 22 फीसदी के बीच थी। ग्लोबल स्मार्टफोन एक्सपोर्ट सेक्टर में भारत का प्रतिद्वंद्वी, वियतनाम भी 5जी फोन अपनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ग्लोबल स्मार्टफोन एक्सपोर्ट सेक्टर में भारत का प्रतिद्वंद्वी, वियतनाम भी 5जी फोन अपनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

सितंबर में महिंद्रा ने घरेलू स्तर पर कुल 56,233 एसयूवी बेचीं

नई दिल्ली

फेस्टिव सीजन के दौरान महिंद्रा की पैसेंजर यूटिलिटी व्हीकल (पीयूवी) की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई। महिंद्रा कंपनी ने सितंरब में घरेलू स्तर पर कुल 56,233 एसयूवी बेचीं, जो पिछले साल इसी महीने की तुलना में 10प्रतिशत अधिक है। वित्तीय वर्ष 2025 के पहले छह महीनों, यानी अप्रैल से सितंबर तक, कुल बिक्री 2,97,570 यूनिट रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 14प्रतिशत की बढ़त दर्शाती है। कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में मिश्रित रुझान देखा गया। 2 टन से कम वजन वाले एलसीवी की बिक्री सितंबर में 2प्रतिशत घटकर 3,386 यूनिट रही, जबकि 2 से 3.5 टन की श्रेणी में 21प्रतिशत वृद्धि हुई और कुल बिक्री 23,342 यूनिट दर्ज की गई। छोटे एलसीवी में छह महीने की अवधि में 12प्रतिशत की गिरावट आई, लेकिन बड़े सेगमेंट में 12प्रतिशत की बढ़त के साथ कुल 1,14,176 यूनिट बिकीं। थ्री-व्हीलर और इलेक्ट्रिक वेरिएंट की बिक्री में भी सितंबर में 30प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 13,017 यूनिट तक पहुंची। निर्यात में भी मजबूती रही। सितंबर में विदेशी शिपमेंट 43प्रतिशत बढ़कर 4,320 यूनिट हुई, जबकि वित्तीय वर्ष की छमाही में कुल निर्यात 20,303 यूनिट रहा, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक है। सेल्स में वृद्धि का मुख्य कारण जीएसटी 2.0 के तहत कीमतों में कटौती और फेस्टिव सीजन का असर रहा। बोलेरो और बोलेरो नियो पर कुल 2.56 लाख रुपये का लाभ मिला, जिसमें 1.27 लाख रुपये की सीधे कटौती और 1.29 लाख रुपये का अतिरिक्त लाभ शामिल है। एक्सयूवी 3एक्सह्न, थार, थार रॉक्स, स्कॉर्पियो, स्कॉर्पियो एन और फ्लैगशिप एक्सयूवी700 पर भी ग्राहकों को लाखों रुपये का लाभ मिला।के काम करने के लिए बेस्ट है।

चीन से आयातित सोलर सेल पर डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश

नई दिल्ली वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई डीजीटीआर ने चीन से आयात होने वाले सोलर सेल पर तीन साल के लिए डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। जांच में पाया गया कि ये सोलर सेल भारत में सामान्य मूल्य से कम कीमत पर आयात हो रहे हैं, जिससे घरेलू उद्योग प्रभावित हो रहे हैं। डीजीटीआर ने सोलर सेल के आयात पर 23 से 30 फीसदी तक का शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है। यह शुल्क माल के सीआईएफ मूल्य के आधार पर लगेगा। हालांकि, इस मामले में अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय ही लेगा। इस कदम से घरेलू सोलर उद्योग को संरक्षण मिलेगा और सस्ते आयात से बचाव होगा। इससे भारत के सौर ऊर्जा क्षेत्र को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

सितंबर में चांदी ने सोने को पीछे छोड़ा, 19.4 फीसदी की जोरदार तेजी

मुंबई सितंबर महीने में चांदी ने निवेशकों को खुश करते हुए 19.4 प्रतिशत की तेजी दिखाई है, जो कि सोने की 13.56 प्रतिशत की वृद्धि से कहीं अधिक है। महीने की शुरुआत में चांदी की कीमत 1,26,000 रुपए प्रति किलोग्राम थी, जो 30 सितंबर को बढ़कर 1,50,500 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई। यह पिछले कई वर्षों में चांदी की सबसे तेज मासिक बढ़ोतरी मानी जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को चांदी 1,50,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई, जबकि मंगलवार को यह अपने उच्चतम स्तर 1,50,500 रुपए पर पहुंची। हालांकि चांदी ने बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन सोने की कीमतों में भी अच्छी वृद्धि दर्ज की गई। एक सितंबर को सोने की कीमत 1,05,670 रुपए प्रति 10 ग्राम थी, जो महीने के अंत तक बढ़कर 1,20,000 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। यह 13.56 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है, जो निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत है। चांदी की इस तेजी के पीछे मजबूत औद्योगिक मांग और वैश्विक आपूर्ति में कमी प्रमुख कारण हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि चांदी का औद्योगिक उपयोग कुल मांग का लगभग 60-70 प्रतिशत है। इलेक्ट्रॉनिक्स, सौर पैनल और इलेक्ट्रिक वाहनों में चांदी की बढ़ती मांग ने कीमतों को ऊपर धकेला है। 2024 में केवल सौर पैनल के लिए 23.2 करोड़ औंस चांदी की जरूरत होगी। एक जिंस बाजार विशेषज्ञ ने बताया कि लगातार सात वर्षों से बाजार आपूर्ति की कमी का सामना कर रहा है, जो कीमतों में बढ़ोतरी का प्रमुख कारण है। उन्होंने कहा कि चांदी की दोहरी भूमिका निवेश और औद्योगिक धातु ने इसे सोने से बेहतर प्रदर्शन करने में मदद की है।

आईएचएच हेल्थकेयर को 7 साल बाद सेबी से मिली मंजूरी

फोर टिस में हिस्सेदारी खरीद का रास्ता साफ

मुंबई मलेशियाई हेल्थकेयर दिग्गज आईएचएस हेल्थकेयर को आखिरकार भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से वह अनुमति मिल गई है, जिसका इंतजार कंपनी को सात साल से था। अब आईएचएच अपनी सब्सिडियरी नार्थन टीके वेंचर के जरिए फोरटिस हेल्थकेयर और मालार हो स्पिटल में 26-26 फीसदी हिस्सेदारी के लिए अनिवार्य ओपन ऑफर ला सकेगी। यह डील 2018 में 170 रुपए प्रे ति शेयर की दर से 3,349 करोड़ रुपए की मानी गई थी, लेकिन आज फोरे टिस का शेयर 980.10 पर पहुंच गया है। नई वैल्यूएशन के अनुसार, एनटीके अब 235.29 मिलियन शेयर लगभग 23,068 करोड़ रुपए में खरीदेगी। इसके साथ ही कंपनी को अतिरिक्त 197 मिलियन शेयरों के लिए करीब 19,316 करोड़ रुपए का ओपन ऑफर भी लाना होगा। मालार अस्पताल के लिए लगभग 32 करोड़ रुपए का ऑफर आएगा। आईएचएच ने नवंबर 2018 में फोरे टिस में 31 फीसदी हिस्सेदारी ली थी, लेकिन तत्कालीन प्रमोटर सिंह ब्रदर्स पर डेलची सेन्यको के कोर्ट केस के कारण ओपन ऑफर अटक गया। डेलची ने सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका लगाई थी, जिससे सेबी की अनुमति रुक गई। अब सेबी की मंजूरी के बाद आईएचएच ने डेलची पर टोक्यो कोर्ट में 11,800 करोड़ के हर्जाने का दावा किया है। आईएचएच का आरोप है कि डेलची ने जानबूझकर डील रोककर उन्हें भारी वित्तीय नुकसान पहुंचाया। इस डील के पूरा होने के बाद आईएचएच भारत के हेल्थकेयर सेक्टर में अपनी स्थिति और मज़बूत कर सकेगी।

सेंसेक्स और निफ्टी में साप्ताहिक आधार पर तेजी रही

आरबीआई की नीतिगत घोषणाओं ने शेयर बाजार को दिया सहारा

मुंबई

अक्टूबर 2025 के पहले सप्ताह में घरेलू शेयर बाजारों ने मजबूती दिखाई और बीते सप्ताह की गिरावट से उबरते हुए साप्ताहिक आधार पर बढ़त दर्ज की। बाजार की चाल पर इस सप्ताह घरेलू कारकों का सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा में जीडीपी ग्रोथ अनुमान को बढ़ाना और महंगाई अनुमान में कमी करना निवेशकों के लिए भरोसा बढ़ाने वाला कदम साबित हुआ। इसके अलावा देशभर में मानसून की अच्छी स्थिति, घरेलू संस्थागत निवेशकों की सतत खरीदारी और वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में बेहतर कॉरपोरेट नतीजों की उम्मीद ने बाजार को बल दिया।इस सप्ताह केवल चार कारोबारी सत्र रहे, क्योंकि 2 अक्टूबर को गांधी जयंती और विजयादशमी की छुट्टी थी। सोमवार और मंगलवार को बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। सेंसेक्स क्रमशः 61 और 97 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी में भी मामूली कमजोरी दर्ज की गई। बुधवार को बाजार ने दमदार वापसी की। सेंसेक्स 715 अंक उछलकर 80,983 पर और निफ्टी 225 अंकों की तेजी के साथ 24,836 पर बंद हुआ।

शुक्रवार को भी बाजार में मजबूती बनी रही। सेंसेक्स 226 अंकों की तेजी के साथ 81,207 और निफ्टी 57 अंक चढ़कर 24,894 पर बंद हुआ। सप्ताह के अंत में सेंसेक्स में कुल मिलाकर 843 अंकों और निफ्टी में 259 अंकों की बढ़त रही। हालांकि विदेशी निवेशकों की बिकवाली अब भी चिंता का विषय है, लेकिन घरेलू संकेतकों की मजबूती निकट भविष्य में बाजार को स्थिरता दे सकती है। निवेशकों को आने वाले सप्ताह में कॉरपोरेट परिणामों और वैश्विक रुझानों पर नजर रखनी चाहिए।

लेंसकार्ट के आईपीओ को सेबी ने दी मंजूरी, नवंबर में कंपनी की हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली चश्मा बनाने वाली कंपनी लेंसकार्ट के आईपीओ को सेबी ने मंजूरी दे दी है। अब कंपनी आईपीओ के लिए इश्यू प्राइस और लॉन्चिंग की तारीख का ऐलान करेगी। ऐसा अनुमान है कि नवंबर में कंपनी की लिस्टिंग हो सकती है। बता दें कुल आईपीओ का आकार 7,500-8,000 करोड़ रुपए यानी 850-900 मिलियन डॉलर होने की उम्मीद है। यह इसे टाटा कैपिटल और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के बाद इस साल के सबसे बड़े इश्यू में से एक बना देगा। लेंसकार्ट के ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के मुताबिक आईपीओ में 2,150 करोड़ रुपए के इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू शामिल होगा। इसके साथ ही मौजूदा निवेशकों और प्रमोटरों द्वारा 13.2 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश भी होगी। ओएफएस में सॉफ्टबैंक समर्थित एसवीएफ-2, अल्फा वेव वेंचर्स, टेमासेक के सहयोगी, प्रेमजी इन्वेस्ट और केदारा कैपिटल समेत प्रमुख शेयरधारक भागीदारी करेंगे। लेंसकार्ट के प्रमोटर्स में पीयूष बंसल 2 करोड़ शेयर बेचेंगे जबकि नेहा बंसल, अमित चौधरी और सुमीत कपाही अपनी-अपनी छोटी हिस्सेदारी बेचेंगे। वर्तमान में प्रमोटरों के पास कंपनी की सामूहिक हिस्सेदारी 19.96 फीसदी है जबकि 80.04 फीसदी हिस्सेदारी संस्थागत और अन्य शेयरधारकों के पास है। लेंसकार्ट ने वित्त वर्ष 2025 में 297.3 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया जबकि वित्त वर्ष 2024 में उसे 10.2 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। पिछले दो सालों में 33 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर के साथ, राजस्व भी साल-दर-साल 23 फीसदी बढ़कर 6,652.5 करोड़ रुपए हो गया। आईपीओ से जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कंपनी द्वारा संचालित और कंपनी के मालिकाना हक वाले नए स्टोर शुरू करने लीज, किराया और लाइसेंस समझौते के भुगतान के लिए किया जाएगा। इसके साथ ही टेक्नोलॉजी, क्लाउड संबंधी इंफ्रा, ब्रांड के विपणन और कारोबार के प्रमोशन के लिए किया जाएगा।

आईपीओ बाजार में जोरदार तेजी, 2023-24 में रिकॉर्ड डीआरएचपी दाखिल

185 से अधिक कंपनियों ने सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किए

मुंबई

भारतीय कंपनियों में शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की होड़ तेज हो गई है। साल 2023 और 2024 के पहले 9 महीनों में 185 से ज्यादा कंपनियों ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास डीआरएचपी (ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस) दाखिल किया है। यह आंकड़ा 1997 के बाद सबसे अधिक है और संकेत देता है कि 2026 आईपीओ बाजार के लिए ऐतिहासिक साल हो सकता है। प्राइमरी मार्केट में तेजी के पीछे कई अहम कारण हैं। घरेलू बचत से हर साल 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश हो रहा है, जिससे कंपनियां नए शेयर जारी करने को उत्साहित हैं। इसके अलावा, बाजार अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे शहरों की कंपनियां भी लिस्टिंग की ओर अग्रसर हैं। आईपीओ प्रदर्शन में मजबूती, प्रतिस्पर्धी कंपनियों की नेटवर्थ में वृद्धि और अनुकूल वैल्यूएशन ने भी कंपनियों को पूंजी बाजार की ओर आकर्षित किया है। परंपरागत रूप से बैंक फंडिंग पर निर्भर कंपनियां अब इक्विटी के ज़रिए पूंजी जुटाने के पक्ष में हैं। अब तक 2024 में कंपनियां आईपीओ के जरिए 1.1 लाख करोड़ से ज्यादा रुपए जुटा चुकी हैं और साल के अंत तक 1.6 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड पार हो सकता है। वर्तमान में दाखिल डीआरएचपी के जरिए कंपनियों का लक्ष्य 2.72 लाख करोड़ रुपए जुटाने का है। टाटा कैपिटल, फोनपे, लेंसकार्ट, फिजिक्सवाला और पाइन लैब्स जैसे बड़े नामों की आगामी लिस्टिंग पर निवेशकों की नजर टिकी है।

ईसीबी अब बाजार-निर्धारित ब्याज दरों पर जुटाई जा सकेगी

मुंबई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) नियमों को सरल और व्यावहारिक बनाने के लिए नया मसौदा जारी किया है। इसमें कंपनियों को विदेशी बाजार से पूंजी जुटाने में अधिक लचीलापन देने की बात कही गई है। मसौदे के अनुसार अब ईसीबी की उधारी सीमा कर्ज लेने वाली इकाई की वित्तीय क्षमता से जोड़ी जाएगी। कंपनियां या तो 1 अरब डॉलर या अपनी अंतिम लेखा परीक्षा में दर्शाए गए नेटवर्थ के 300 प्रतिशत तक उधारी ले सकेंगी, इनमें से जो भी अधिक हो। आरबीआई ने यह भी प्रस्ताव दिया है कि ईसीबी अब बाजार-निर्धारित ब्याज दरों पर जुटाई जा सकेगी। अभी तक ब्याज दरों पर एक कुल लागत सीमा तय थी, जो अब हटा दी गई है। इससे बेहतर रेटिंग वाली कंपनियों के लिए विदेशी ऋण लेना सस्ता हो सकता है। इसके अतिरिक्त, मसौदे में ईसीबी के अंतिम उपयोग प्रतिबंधों और न्यूनतम औसत परिपक्वता अवधि को सरल बनाने का प्रस्ताव है। यह परिवर्तन लंबे समय से कंपनियों द्वारा उठाई जा रही चिंताओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है। आरबीआई ने यह भी कहा है कि वह पात्र ऋणदाता और कर्जदारों का दायरा बढ़ाने के साथ-साथ रिपोर्टिंग आवश्यकताओं को भी आसान बनाएगा, जिससे अनुपालन प्रक्रिया सुगम हो सकेगी।

पीयूष गोयल ने सिंगापुर यात्रा में निवेश को बढ़ावा देने पर जोर दिया

नई दिल्ली वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सिंगापुर की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा के दौरान कंपनी प्रमुखों और नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने भारत और सिंगापुर के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। गोयल ने भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि और निवेश आधारित सुधारों को रेखांकित करते हुए विनिर्माण, बुनियादी ढांचे, वित्तीय सेवाओं तथा हरित अर्थव्यवस्था में अवसरों का उल्लेख किया। उन्होंने सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से व्यापार, नवाचार और डिजिटल कनेक्टिविटी में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। इसके अलावा, उप प्रधानमंत्री गान किम योंग के साथ औद्योगिक और व्यापार सहयोग को और प्रगाढ़ बनाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया गया। यह बैठक दोनों देशों के बीच सतत विकास और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

प्रियंका चोपड़ा ने मुंबई को कहा अलविदा

भारतीय अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने मुंबई को अलविदा कह दिया है। वह दो दिनों तक मुंबई में रहने के बाद अमेरिका लौट गई हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मुंबई में बिताए अच्छे पलों को याद किया है। फैंस को दुर्गा पंडाल में प्रियंका चोपड़ा का लुक काफी पसंद आया। प्रियंका चोपड़ा बनारसी पैटर्न के साथ पर्पल कलर के सूट में दिखीं। एक्ट्रेस ने माथे पर बिंदी और मांग में सिंदूर लगा रखा था। एक्ट्रेस का देसी लुक फैंस के दिल को भा गया। प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर एक मुंबई टूर वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में एक्ट्रेस पहले अपने स्किनकेयर और मेकअप के बारे में बात कर रही है, वहीं कई स्थानों के साथ वह मां दुर्गा के पंडाल में भी नजर आईं। वीडियो में उन्होंने मुंबई में बिताए दो दिनों की यादें कैमरे में कैद कीं। एक्ट्रेस ने वीडियो के कैप्शन में लिखा,अलविदा मुंबई! वापस आना हमेशा बहुत अद्भुत होता है, भले ही यह एक मिनट के लिए ही क्यों न हो। उत्सव मना रहे सभी लोगों को दशहरा की शुभकामनाएं। दोबारा आने का वेट करें..।

प्रियंका ने एक्ट्रेस नीलम उपाध्याय को भी दिल से शुक्रिया कहा। उन्होंने लिखा, जब पति मदद के लिए आसपास नहीं थे तो आप थे। वर्क फ्रंट की बात करें तो प्रियंका को हॉलीवुड एक्शन-कॉमेडी हेड्स ऑफ स्टेट में देखा गया था। फिल्म अमेजन प्राइम पर मौजूद है। एक्ट्रेस एक साथ कई फिल्मों की शूटिंग कर रही है, जो हॉलीवुड और बॉलीवुड दोनों हैं। एक्ट्रेस सिटाडेल-2, द ब्लफ, जजमेंट डे, एसएसएमबी 29 और कृष 4 में भी दिख सकती हैं।

Simi Garewal की दशहरा पोस्ट पर बवाल एक्ट्रेस ने रावण को बताया आज के सांसदों से बेहतर

बॉलीवुड एक्ट्रेस सिमी ग्रेवाल ने दशहरा के मौके पर एक ऐसी पोस्ट कर दी कि उनके फैंस हैरान रह गए. एक्ट्रेस ने रावण को आज के सांसदों से बेहतर बताया. 2 अक्टूबर दशहरा के मौके पर बॉलीवुड की हसीन अदाकारा एक्ट्रेस सिमी ग्रेवाल ने अपने एक्स हैंडल पर रावण की तारीफ करते हुए एक लंबा नोट लिखा है. एक्ट्रेस ने अपने नोट में रावण की खूब तारीफ की है, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है. बॉलीवुड एक्ट्रेस सिमी ग्रेवाल ने रावण के लिए एक लंबा-चौडा नोट लिखा है. जिसमें वो रावण की अच्छाइयां गिनाते नजर आ रही हैं. एक्ट्रेस की इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी है. अपनी पोस्ट में एक्ट्रेस ने लिखा- हर साल इस दिन हम अच्छाई की बुराई पर जीत का जश्न मनाते हैं. लेकिन सच कहूं तो, तुम्हारे व्यवहार को 'बुराई' की बजाय 'थोड़ी शरारत' कहा जाना चाहिए. आखिर तुमने किया ही क्या था? मानती हूं कि तुमने जल्दीबाजी में एक महिला का अपहरण कर लिया, लेकिन उसके बाद तुमने उसे वो सम्मान दिया जो आज की दुनिया में औरतों को शायद ही कभी मिलता हो. तुमने उसे अच्छा खाना दिया, रहने की जगह दी और यहां तक कि महिला सुरक्षा-गॉर्ड्स भी दिए (हालांकि वह बहुत सुंदर नहीं थीं). तुम्हारा विवाह का प्रस्ताव भी बड़े विनम्र ढंग से था और जब उसे ठुकरा दिया गया, तब भी तुमने एसिड नहीं फेंका. यहां तक कि जब भगवान राम ने तुम्हें मार डाला, तब भी तुमने उनसे माफी मांगने की बुद्धिमानी दिखाई.

रियल-लाइफ हीरो सोनू सूद का पंजाब से आशा भरा संदेश

हर परिवार की ज़रूरतें पूरी होनी चाहिए

पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ को एक महीने से ज़्यादा समय बीत चुका है, लेकिन गांवों में लोगों की तकलीफें अब भी जारी हैं। अभिनेता और समाजसेवी सोनू सूद, जो संकट के समय में लगातार आशा की किरण बनकर उभरे हैं, उन्होंने हाल ही में गाँव का दौरा किया और हालात का जायज़ा लिया। वहां उन्होंने जो देखा, उससे मदद जारी रखने का उनका संकल्प और मज़बूत हुआ। पंजाब में बाढ़ प्रभावित गांवों के पीड़ितों के साथ खड़े होकर, सोनू सूद ने कहा- आप देख रहे हो कि अभी भी जो बाढ़ के कारण तकलीफें हैं, वो बहुत ज़्यादा हैं और क़रीब 40-45 दिन हो चुके हैं बाढ़ को। और मैं हमेशा कहता आया हूँ ङ्क असली ज़रूरत अब पड़ेगी, क्योंकि पानी का स्तर अभी भी कई जगहों पर बहुत ज़्यादा है। और जो लोग मदद कर रहे हैं ङ्क बचा रहे हैं ङ्क उन्हें इसे जारी रखना चाहिए। गांवों में असली मुश्किलें अब आने वाली हैं, और हर परिवार को जो भी ज़रूरतें हैं, उन्हें हमें पूरा करना है। पंजाब के बाढ़ प्रभावित गाँवों की ज़मीनी हकीकत को बयां करते हुए उन्होंने लिखा, दिन- 45 आइए, ज़रूरतमंदों के लिए एकजुट हों। पंजाब और पूरे देश के लोगों के लिए यह शब्द एक चेतावनी भी हैं और एक आह्वान भी। राहत केवल एक बार की प्रक्रिया नहीं होती ङ्क यह एक निरंतर दायित्व है। सोनू सूद की पंजाब में उपस्थिति केवल मदद पहुंचाने के लिए नहीं है, बल्कि उन आवाज़ों को बुलंद करने के लिए भी है जो मूलभूत सुविधाओं से कटे हुए हैं ङ्क यह याद दिलाने के लिए कि संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में सोनू सूद संकट के समय में उम्मीद का पर्याय बन गए हैं ङ्क चाहे वो महामारी के दौरान प्रवासी मज़दूरों की मदद हो या अब बाढ़ पीड़ितों की सहायता। उन्होंने बार-बार दिखाया है कि ज़िम्मेदारी और ईमानदारी के साथ प्रभावशाली होना क्या मायने रखता है। पंजाब की इस कठिन घड़ी में उनका काम यह साबित करता है कि राहत केवल दान नहीं ङ्क बल्कि निरंतर करुणा और समर्थन से भरा एक लंबा सफ़र है।

12 की उम्र में श्वेता तिवारी ने की थी सिर्फ 500 रुपये के लिए नौकरी, मेहनत से बनीं घर-घर की प्रेरणा

टीवी से अपने करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। एक्ट्रेस ने टीवी पर तो छाप छोड़ी ही, लेकिन अब सीरीज और फिल्मों में अपना दबदबा बना रही हैं। शनिवार को एक्ट्रेस अपना 45वां जन्मदिन मना रही हैं। एक्ट्रेस की पर्सनल से लेकर प्रोफेशनल लाइफ सुर्खियों में रही है। एक्ट्रेस ने 500 रुपये से कमाना शुरू किया और आज लाखों कमा रही हैं। श्वेता तिवारी को सबसे पहले 1999 में आए शो कलीरे में देखा गया था, जिसके बाद सीरियल कसौटी जिंदगी की ने एक्ट्रेस की दुनिया बदल दी, क्योंकि एक्ट्रेस प्रेरणा बनकर घर-घर छा गई। प्रेरणा और अनुराग की जोड़ी आज भी याद की जाती है।

श्वेता तिवारी ने खुद इस बात का खुलासा किया था कि पहले सीरियल की शूटिंग लगातार 72-72 घंटे होती थी। घर जाने का समय नहीं मिलता था और पे चेक भी 30 का नहीं, बल्कि 45 दिन का मिलता था। श्वेता तिवारी ने 12 साल की उम्र से कमाना शुरू कर दिया था, क्योंकि उनका परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। अपने परिवार की मदद करने के लिए एक्ट्रेस ने 12 साल की उम्र में ट्रैवल एजेंसी में काम किया। उस वक्त एक्ट्रेस की पहली कमाई 500 रुपये थी, लेकिन आज एक्ट्रेस एक एपिसोड का लगभग 3 लाख रुपये चार्ज करती हैं और अकेले अपने दोनों बच्चों को पाल रही हैं। एक्ट्रेस ने 15 साल की उम्र में टीवी पर कदम रखा और दूसरे ही सीरियल से छा गई, लेकिन इसके साथ ही श्वेता की पर्सनल लाइफ काफी उतार-चढ़ाव भरी रही।

ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस मंथ 2025

एंजेलिना जोली इफेक्ट के साथ 'हर यात्रा मायने रखती है'

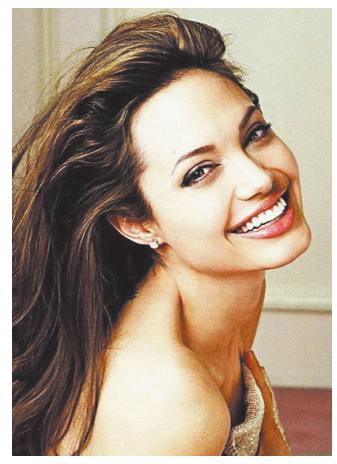

2013 में हॉलीवुड अभिनेत्री एंजेलिना जोली ने दुनिया को एक बड़े फैसले से सबको चौंका दिया। उनकी मां (मार्शलीन बर्ट्रेंड) की मृत्यु ओवरी कैंसर से हुई थी। जोली ने टेस्ट कराया और पाया कि उनमें बीआरसीए1 जीन म्यूटेशन है, जो उनके ब्रेस्ट कैंसर के चांस को 87 फीसदी तक बढ़ा रहा था। एंजेलिना ने प्रिवेंटिव डबल मास्टेक्टॉमी (दोनों स्तनों को सर्जरी से हटवाना) करवा लिया। उस समय कइयों ने उनके फैसले पर सवाल उठाए, लेकिन बाद में हजारों महिलाएं अस्पताल पहुंचीं और टेस्ट कराए। डॉक्टरों का कहना है कि एंजेलिना की इस पहल से जोलि इफेक्ट नाम की एक अवेयरनेस लहर उठी, जिसने अनगिनत जिंदगियां बचाई। रिसर्च बताती है कि उनके बयान के बाद लाखों महिलाओं ने बीआरसीए टेस्ट करवाने शुरू कर दिए। जोली ने अपने शरीर से जुड़ी बेहद निजी बात का खुलासा न्यूयॉर्क टाइम्स के ओप-एड लेख में किया था। 2013 के इस लेख में उन्होंने एक मां के डर को जाहिर करते हुए लिखा, मैं यह नहीं चाहती थी कि मेरे बच्चों को बार-बार वही डर महसूस हो जो मैंने अपनी मां के लिए महसूस किया था। मैंने तय किया कि मैं इस डर को कम करने की पूरी कोशिश करूंगी। जोली की इस ईमानदार कोशिश की दुनिया कायल हो गई। उन्होंने अपने इसी लेख में आगे लिखा, मेरे लिए यह लिखना आसान नहीं था। लेकिन अगर यह किसी एक महिला को भी टेस्ट करवाने और अपना जीवन बचाने के लिए प्रेरित कर सके, तो मैं अपने इस कदम को सही मानूंगी। स्तन कैंसर का हर निदान व्यक्तिगत होता है। हर निदान के पीछे एक कहानी होती है–साहस, दृढ़ता और आशा की। और जब इससे किसी मशहूर हस्ती का नाम जुड़ जाता है तो आम जन को भी इसकी गंभीरता और भयावहता का एहसास सहज ही हो जाता है। एंजेलिना जोली की ब्रेस्ट कैंसर स्टोरी केवल हॉलीवुड की ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की महिलाओं के लिए एक बड़ा संदेश बन गई।

पायरेसी को बढ़ावा न दें, कांतारा चैप्टर 1 के निर्माताओं ने दर्शकों से की खास अपील

ऋषभ शेट्टी की बहुचर्चित फिल्म कांतारा चैप्टर 1 के निर्माताओं ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म को पायरेसी से बचाने ने के लिए दर्शकों से एक खास अपील की है। साथ ही फिल्म को सिनेमाघरों में देखने का अनुरोध भी किया है।

कांतारा चैप्टर 1 2 अक्तूबर, 2025 को गुरुवार के दिन सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म ने पहले दिन 60 करोड़ रुपये का धांसू कलेक्शन किया। आज फिल्म की रिलीज के बाद फिल्म निर्माताओं ने अपने दर्शकों से फिल्म को पायरेसी से बचाने के लिए एक खास अपील की है। होम्बले फिल्म्स ने आज एक्स पर एक खास नोट शेयर करते हुए लिखा, प्रिय कांतारा परिवार और सिनेमा प्रेमियों, कांतारा चैप्टर 1 जितना हमारा है, उतना ही आपका भी है। आपके प्यार ने इसे सचमुच अविस्मरणीय बना दिया है। हम आपसे विनम्र निवेदन करते हैं कि फिल्म के वीडियो शेयर और रिकॉर्ड न करें और पायरेसी को बढ़ावा न दें। आइए, सिनेमाघरों में कांतारा का जादू बरकरार रखें, ताकि हर कोई इसे उसी तरह महसूस कर सके जैसा इसका होना चाहिए। कांतारा चैप्टर 1 भारतीय कन्नड़ भाषा की एक्शन थ्रिलर फिल्म है। यह फिल्म ऋषभ शेट्टी द्वारा लिखित और निर्देशित है। होम्बले फिल्म्स के तहत विजय किरागांदुर द्वारा निर्मित यह फिल्म 2022 की कांतारा का प्रीक्वल है। फिल्म में ऋषभ शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं।

रणदीप हुड्डा और लिन लैशराम लेकर आ रहे तीरंदाजी का नया जोश, एपीएल में हिस्सा लेगी पृथ्वीराज योद्धा

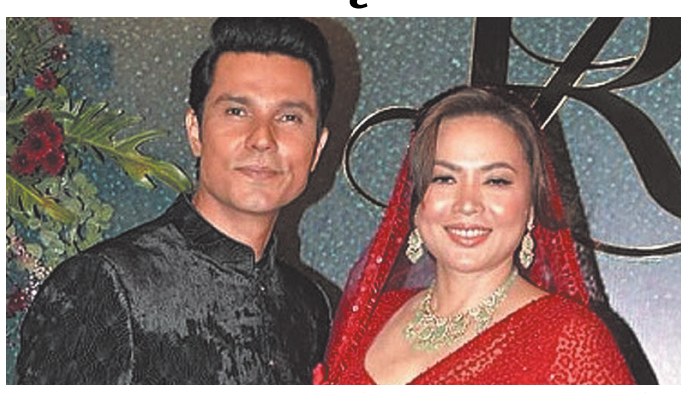

भारत में खेलों का जादू हमेशा से लोगों के दिलों में खास रहा है। हरियाणा की मिट्टी से लेकर देश के कोने-कोने तक, खेलों ने कई युवाओं को प्रेरित किया है। इस कड़ी में तीरंदाजी यानी आर्चरी के प्रति लोगों का उत्साह बढ़ाने के लिए बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता रणदीप हुड्डा और उनकी पत्नी व पूर्व राष्ट्रीय स्तर की तीरंदाज लिन लैशराम की टीम पृथ्वीराज योद्धा आगामी आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) में हिस्सा लेंगी। बता दें कि लिन लैशराम पृथ्वीराज योद्धा टीम की सह-मालिक हैं। एपीएल 2 अक्टूबर से 12 अक्टूबर 2025 तक यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित होगी। रणदीप और लिन की यह साझेदारी न केवल खेल को बढ़ावा देगी, बल्कि युवाओं को भी तीरंदाजी जैसे खेल की तरफ आकर्षित करेगी। रणदीप हुड्डा ने कहा, खेल हमारे जीवन का अहम हिस्सा है। हरियाणा में बचपन से ही खेलों की संस्कृति रही है, जहां कुश्ती, हॉकी, और बॉक्सिंग जैसे खेलों ने देश का नाम रोशन किया है। मेरे लिए तीरंदाजी जैसे खेल से जुड़ना एक गर्व की बात है। तीरंदाजी में कई खासियतें होती हैं, जैसे कि ध्यान केंद्रित करना, धैर्य बनाए रखना, और मुश्किल हालात में टिके रहना; ये सभी गुण हरियाणा की खेल संस्कृति से मेल खाते हैं। मेरी पत्नी लिन का इस खेल के साथ गहरा लगाव है, जो हमारी टीम को और मजबूत बनाता है। लिन लैशराम के लिए तीरंदाजी केवल एक खेल नहीं, बल्कि एक जीवन की यात्रा है। उनके पिता मणिपुर आर्चरी एसोसिएशन के अध्यक्ष रह चुके हैं, जिन्होंने उन्हें बचपन से ही तीरंदाजी की दुनिया की ओर आगे बढ़ाया। लिन ने महज दस साल की उम्र में तीरंदाजी शुरू की और जल्द ही राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने लगीं। टाटा आर्चरी अकादमी में प्रशिक्षण लेने के बाद उन्होंने कई पदक जीते और 1998 में जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप भी अपने नाम की। हालांकि, चोट के कारण उन्हें प्रतियोगिता से दूरी बनानी पड़ी, लेकिन उनका खेल के प्रति जुनून कभी कम नहीं हुआ। अब आर्चरी प्रीमियर लीग में उनका फिर से लौटना उनके लिए एक नई शुरुआत है।

शरवरी वाघ ने दशहरे पर शुरू की इम्तियाज अली की फिल्म की शूटिंग

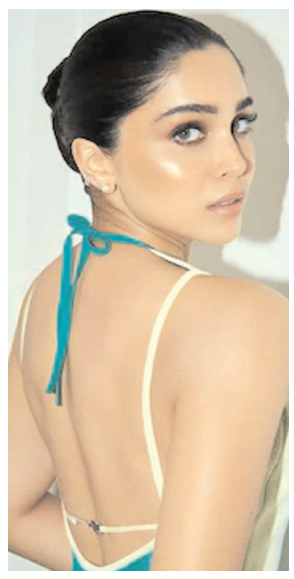

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी वाघ ने अपनी अगली बड़ी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस बात की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर की। इस फिल्म का निर्देशन इम्तियाज अली कर रहे हैं। इस फिल्म में वेदांग रैना उनके अपोजिट दिखाई देंगे। दशहरे के शुभ अवसर पर अभिनेत्री शरवरी वाघ ने यह खुशखबरी फैंस के साथ साझा की। उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने बताया कि वह पूजा के लिए घर पर नहीं आ सकीं। इसके बजाय उन्होंने अपने कमरे में फिल्म की स्क्रिप्ट के साथ एक छोटी सी पूजा की और फिल्म की शुरुआत की। इस तस्वीर में एक नोटबुक भी रखी है, जिस पर उन्होंने कुछ लिखा था और जिसे ताजा गुड़हल के फूलों से सजाया गया था। इसे शेयर करते हुए शरवरी ने लिखा, आज पूजा के लिए घर पर नहीं आ सकी, इसलिए मैंने अपने कमरे में स्क्रिप्ट के साथ अपनी छोटी सी पूजा की। दशहरा की शुभकामनाएं। एक बेहद खास निर्देशक और टीम के साथ एक बेहद खास फिल्म की शूटिंग शुरू कर रही हूं। जून में इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा की गई थी। उस समय शरवरी ने उत्साह और आभार व्यक्त करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा था, मेरे जन्मदिन पर यह घोषणा देखकर मुझे बहुत आश्चर्य हुआ। अब तक का सबसे अच्छा जन्मदिन। इम्तियाज अली सर, जब से मैंने एक अभिनेत्री बनने का सपना देखा है, तब से मैं आपके निर्देशन में काम करने के लिए तत्पर थी। यह मेरे लिए सीखने का सबसे अद्भुत अनुभव होगा। आपके विजन का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। मुझे चुनने के लिए धन्यवाद। इस ड्रीम टीम का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लग रहा है। इस नए सफर के लिए बेहद उत्साहित हूं। शरवरी वाघ ने 2021 में यशराज की फिल्म बंटी और बबली 2 से करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में रानी मुखर्जी, सैफ अली खान और सिद्धांत चतुर्वेदी जैसे कलाकार भी थे

भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज को पारी और 140 रनों से हराया

-सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में मेहमान टीम वेस्टइंडीज को एक पारी और 140 रनों से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। भारतीय टीम ने मैच के तीसरे दिन अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 448 रनों पर घोषित कर दी। वेस्टइंडीज की टीम अपनी पहली पारी में 162 रन ही बना पायी थी। इस प्रकार भारतीय टीम के पास 286 रनों की बढ़त थी। ऐसे में उसने वेस्टइंडीज को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वेस्टइंडीज टीम अपनी दूसरी पारी में लंच के बाद 146 रनों पर ही आउट हो गयी। भारत की ओर से रविन्द्र जडेजा ने 4 विकेट लिए, वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने तीन जबकि कुलदीप यादव ने 2 विकेट लिए। इस प्रकार भारतीय टीम ने ये मुकाबला आसानी से जीत लिया।

इस मैच में वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी दूसरी पारी में भी पहली पारी की तरह ही खराब रही। केवल एलिका अथानाजे ही 38 रन तक पहुंच पाये, जबकि जस्टिन ग्रीव्स ने 25, जेडन सील्स ने 22, जोहान लेन ने 14, जॉन कैंबेल ने 14, तेगनारायण चंद्रपॉल ने 8, ब्रेंडन किंग ने 5, रोस्टन चेज ने 1 और शाई होप ने 1 रन बनाए। वहीं, खैरी पियरे 13 रन बनाकर नाबाद रहे।

इस मैच में भारतीय टीम के तीन बल्लेबाजों केएल राहुल, ध्रुव जुरेल और रविन्द्र जडेजा ने शतक लगाकर टीम को दूसरे ही दिन 488 रनों तक पहुंचा दिया था।

जडेजा ने बनाया रिकार्ड

भारतीय टीम के रवींद्र जडेजा ने इस मैच में अपने टेस्ट करियर का छठा शतक लगाकर एक रिकार्ड बनाया। उन्होंने इस मैच में महेन्द्र सिंह धोनी के टेस्ट में छक्के मारने का रिकार्ड भी तोड़ दिया। जडेजा के अब अपने टेस्ट मैचों में कुल 79 छक्के हो गये है। वहीं धोनी ने टेस्ट में 78 छक्के लगाए थे। टेस्ट क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा छक्के जड़ने का रिकॉर्ड ऑलराउंड वीरेंद्र सहवाग के नाम है। सहवाग ने 91 छक्के लगाये हैं। वहीं दूसरे नंबर पर विकेटकीपर ऋषभ पंत हैं जिनके टेस्ट में 90 छक्के हैं जबकि रोहित शर्मा 88 छक्कों के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

राहुल ने 9 साल बाद घरेलू धरती पर शतक लगाया

राहुल ने इस टेस्ट में अपना 11वां शतक जमाया ये उनका नौ साल के बाद घरेलू धरती पर शतक है। इसके लिए राहुल ने गेंदें खेलीं।

वहीं युवा जुरेल ने भी इस मैच में मिले अवसर का लाभ उठाते हुए शतकीय पारी खेली।

वर्ल्ड कप में 20 साल बाद भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 में 5 अक्तूबर, रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच भिड़ंत होगी। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने जहां श्रीलंका को हराकर अपना विजयी आगाज किया वहीं पाकिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। वहीं अब कोलंबो में इस हाईवोल्टेज मुकाबले का हर किसी को इंतजार है। खास बात ये है कि महिला वनडे वर्ल्ड कप में ये सिर्फ दूसरा मौका है जब दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। आखिरी बार 2005 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान की टीमें आपस में भिड़ी थीं।

वहीं वनडे क्रिकेट में भारतीय महिला टीम पाकिस्तान के खिलाफ कभी नहीं हारी है। दोनों टीमें कुल 11 बार वनडे मुकाबले में भिड़ी हैं। सभी 11 मैच भारतीय महिला टीम ने अपने नाम किए हैं। आखिरी बार दोनों टीमें 2022 में वनडे मैच खेलने के लिए आमने-सामने थीं। उस मैच में भारत ने पड़ोसी देश को 107 रनों से हराकर करारी शिकस्त दी थी। वहीं वर्ल्ड कप की बात करें तो भारतीय टीम ने 2005 में एकमात्र वर्ल्ड कप मुकाबला पाकिस्तान से खेला है। कराची में हुए उस मुकाबले में भारत ने 193 रनों से बेहतरीन जीत दर्ज की थी। अब वर्ल्ड कप में दूसरी बार और ओवरऑल वनडे में 12वीं बार दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। भारतीय टीम की बात करें तो टीम इस समय बेहतरीन फॉर्म में है। हालांकि, पहले मैच में स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर का बल्ला नहीं चला था। लेकिन वर्ल्ड कप से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया जैसे खतरनाक टीम को भारत ने नाकों चने चबवा दिए थे। स्मृति ने बैक टू बैक दो ताबड़तोड़ ऐतिहासिक शतकीय पारियां खेली थीं। जबकि पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश के हाथों शर्मनाक हार झेलकर आई थी। पाकिस्तान की टीम पहले मुकाबले में महज 129 रन पर ही ढेर हो गई थी। ऐसे में भारतीय टीम का पलड़ा इस मुकाबले में बिल्कुल भारी रहने का आसार हैं।

ऑस्ट्रेलिया/न्यूजीलैंड: मार्श का पहला टी20 शतक, ऑस्ट्रेलिया ने चैपल-हेडली श्रृंखला 2-0 से जीती

माउंट मोनगानुई (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)। मिचेल मार्श के नाबाद 103 रन की दमदार पारी की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को न्यूजीलैंड को तीन विकेट से हराकर चैपल-हेडली टी20 श्रृंखला 2-0 से अपने नाम कर ली।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मार्श ने 52 गेंद में आठ चौके और सात छक्कों की मदद से अपना पहला टी20 शतक पूरा किया। उनके अलावा केवल दो अन्य बल्लेबाज ही दोहरे अंक तक पहुंच सके। ऑस्ट्रेलिया ने दो ओवर रहते ही 7 विकेट पर 160 रन बनाकर न्यूजीलैंड के 9 विकेट पर 156 रन के स्कोर को पार कर लिया।

न्यूजीलैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाजी के सामने संघर्ष करती नजर आई और टॉस 15 मिनट देर से होने के कारण भी उनके बल्लेबाज साझेदारियां बनाने में नाकाम रहे। टिम सिफर्ट ने 35 गेंद में 48 रन बनाकर टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जबकि कप्तान माइकल ब्रेसवेल ने 26 और जिम्मी नीशाम ने 25 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया के लिए जोश हेज़लवुड ने 26 रन देकर 2 विकेट लिए, जेवियर बार्टलेट ने 25 रन देकर 2 विकेट झटके, और सीन एबॉट ने 25 रन देकर 3 विकेट चटकाए।

ऑस्ट्रेलियाई पारी की शुरुआत में ही 62 रन छह ओवर में बन गए थे। मिचेल मार्श ने ईश सोढ़ी पर लगातार छक्कों की मदद से केवल 21 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। न्यूजीलैंड ने मध्य ओवरों में नीशाम की गेंदबाजी के दम पर चार विकेट लिए, लेकिन मार्श ने टीम को मजबूत हाथों से जीत तक पहुंचाया।

इससे पहले श्रृंखला का दूसरा मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। मार्श ने पहले मैच में भी 43 गेंद में 85 रन बनाकर टीम की छह विकेट की जीत में अहम योगदान दिया था।

शुभमन ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय एकदिवसीय टीम के कप्तान बनाये गये , श्रेयस होंगे उपकप्तान

-विराट , रोहित की सात महीने बाद टीम में वापसी

-सूर्यकुमार की कप्तानी में जाएगी टी20 टीम

मुम्बई (एजेंसी)। शुभमन गिल टेस्ट के बाद अब एकदिवसीय प्रारुप के लिए भी भारतीय टीम के कप्तान बनाये गये हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए शुभमन गिल को एकदिवसीय टीम का कप्तान बनाया है। शुभमन को रोहित शर्मा की जगह कप्तान बनाया गया है। रोहित अब एक बल्लेबाज के तौर पर ही टीम में रहेंगे। रोहित के अलावा अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को भी टीम में शामिल किया गया है। इस प्रकार रोहित और विराट करीब सात महीने के बाद एक बार फिर खेलते नजर आयेंगे। ये दोनो ही अंतिम बार चैम्पियंस ट्रॉफी में उतरे थे और उसे भारतीय टीम ने रोहित की कप्तानी में जीता था।

वहीं बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को भी टीम में शामिल किया गया है। श्रेयस को एकदिवसीय के लिए उपकप्तान बनाया गया है। कोहली और रोहित ने भारत के लिए आखिरी बार फरवरी-मार्च में खेला था।

तब दोनों चैंपियंस ट्रॉफी में टीम का हिस्सा थे। दोनों ने ही चैंपियंस ट्रॉफी में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को एकदिवसीय सीरीज के लिए आराम दिया गया है जबकि टी20 सीरीज में उन्हें शामिल किया गया है। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और ऋषभ पंत चोट के कारण शामिल नहीं किये गये हैं।

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। इसके बाद वह सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में पांच मैचों की टी20 सीरीज भी खेलेगी। मेजबानों के साथ 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी।

भारतीय टीम पहला एकदिवसीय 19 अक्टूबर को पर्थ में खेलेगी जबकि दूसरा एकदिवसीय मैच 23 को एडिलेड में खेला जाएगा। सीरीज का तीसरा एकदिवसीय मैच 25 अक्टूबर को सिडनी में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए एकदिवसीय टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप कप्तान), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल.

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टी20 सीरीज के लिए चुनी गई भारतीय टीम: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुबमन गिल (उप कप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर.

जडेजा ने बनाया रिकार्ड, कपिल, बॉथम और इमरान के क्लब में शामिल

अहमदाबाद । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में मिली जीत में अहम भूमिका निभाने के दौरान ही शानदार गेंदबाजी और बल्लेबाजी करते हुए एक नया रिकार्ड बनाया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक लगाने के साथ ही जडेजा ने कपिल देव, इयान बॉथम और इमरान खान जैसे महान ऑलराउंडरों की बराबरी की है। अब जडेजा उन खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं जिन्होंने छह या उससे अधिक टेस्ट शतक बनाए हैं और साथ ही 300 से अधिक विकेट भी अपने नाम किए हैं। जडेजा ने 169 गेंदों पर अपना छठा टेस्ट शतक पूरा किया। जडेजा अब इयान बॉथम, कपिल देव, इमरान खान, रवि अश्विन और डेनियल विटोरी जैसे दिग्गजों की सूची में शामिल हो गए हैं। यह उपलब्धि उन खिलाड़ियों की पहचान है जिन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दिया है। अब टेस्ट क्रिकेट में 4000 रन और 300 से अधिक विकेट लेने वाले चौथे क्रिकेटर बनने से केवल 10 रन दूर हैं। उन्होंने मैच के दौरान चार छक्के जड़कर पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। अब जडेजा टेस्ट में भारत के लिए चौथे सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। जडेजा के नाम टेस्ट करियर में 79 छक्के हैं जबकि धोनी के नाम 78 छक्कों का रिकार्ड है।

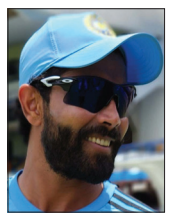

भारत के निखिल चौधरी ऑस्ट्रेलियाई शेफील्ड शील्ड में खेलेंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के निखिल चौधरी ऑस्ट्रेलिया की रेड-बॉल प्रतियोगिता, शेफील्ड शील्ड में तस्मानिया की ओर से खेलते दिखेंगे। निखिल लिस्ट ए क्रिकेट में पंजाब की ओर से खेलते हैं। अब ऑस्ट्रेलिया में शेफील्ड शील्ड में खेलकर उनका करियर और निखर सकता है। ऑस्ट्रेलिया में छोटे क्लब स्तर पर खेलते हुए वह तस्मानिया तक पहुंचे हैं। निखिल ने पंजाब की ओर से खेलने के दौरान शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा और अर्शदीप सिंह के साथ खेला है। हालांकि वह रणजी ट्रॉफी में अभी तक नहीं खेल पाये हैं। ऑस्ट्रेलिया जाने के बाद चौधरी ने क्लब क्रिकेट और वीकेंड टूर्नामेंट से खेलते हुए यहां तक का सफर किया है। ऑस्ट्रेलिया पहुंचने के बाद वह बिग बैश लीग की टीम होबार्ट हरिकेंस पहुंची। इसके बाद क्रिकेट तस्मानिया ने उन्हें लिस्ट ए मैचों में अवसर नहीं दिया। उन्होंने न्यू साउथ वेल्स के खिलाफ 2 विकेट जबकि विक्टोरिया के खिलाफ 67 रन बनाये। जिससे उन्हें लाभ हुआ। क्रिकेट तस्मानिया की हाई परफॉर्मेंस प्रमुख सैलियन बीम्स ने निखिल के यहां तक के सफर की प्रशंसा करते हुए कहा कि किसी दूसरे देश में जाकर इस प्रकार की उपलब्धि हासिल करना कठिन होता है पर इस क्रिकेटर ने अपने को साबित किया है। साथ ही कहा कि उनकी भूख और जुनून टीम को मजबूती देगी।इससे पहले 1960 के दशक में रूसी सुरती ने की ओर से खेला था।

विश्व चैंपियनशिप में मीराबाई चानू का शानदार प्रदर्शन, भारत को दिलाया एक और रजत पदक

फॉरडे (नॉर्वे) (एजेंसी)। भारत की स्टार महिला वेटलिफ्टर और ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू ने 2025 विश्व वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 48 किग्रा वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया। चानू ने कुल 199 किग्रा भार उठाया, जिसमें स्नैच में 84 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 115 किग्रा शामिल था। यह उनके तीन साल बाद विश्व मंच पर लौटने का प्रतीक है।

स्नैच में चानू ने 84 किग्रा सफलतापूर्वक उठाया, लेकिन 87 किग्रा के अगले दो प्रयासों में वे सफल नहीं हो सकीं और इस खंड में कांस्य पदक हासिल किया। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने क्रमशः 109, 112 और 115 किग्रा उठाया। अंतिम प्रयास की सफलता ने उन्हें रजत पदक दिलाया और उनके सर्वोत्तम प्रदर्शन को दोहराया।

पदक तालिका में उत्तर कोरिया की री सॉन्ग-गुम ने 213 किग्रा (91+122) के साथ स्वर्ण पदक और क्लीन एंड जर्क व कुल भार में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। थाईलैंड की थान्यातॉन सुकचारोएन ने 198 किग्रा के साथ कांस्य पदक जीता।

यह मीराबाई का तीसरा विश्व चैंपियनशिप पदक है; उन्होंने 2017 में स्वर्ण और 2022 में रजत पदक जीते थे। उनका 115 किग्रा का क्लीन एंड जर्क प्रदर्शन टोक्यो ओलंपिक में किए गए सर्वश्रेष्ठ भार के बराबर है। इस जीत से भारत को तीन साल बाद विश्व चैंपियनशिप में पदक मिला और अब तक इस टूर्नामेंट में भारत के सभी 18 पदक महिलाओं ने ही हासिल किए हैं। मीराबाई के साथ भारतीय टीम में कोयल बर, बिंद्यारानी देवी, निरुपमा देवी, हरजिंदर कौर, वंशीता वर्मा और मेहक शर्मा भी शामिल हैं। इनमें से कई खिलाड़ियों ने पहले ही कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में पदक जीते हैं।

पेरिस 2024 ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने और चोटों से जूझने के बाद यह रजत पदक मीराबाई के करियर में महत्वपूर्ण पुनरुत्थान का संकेत है। उनके इस प्रदर्शन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वे विश्व स्तरीय वेटलिफ्टिंग में भारत का गौरव बढ़ाती रहती हैं।

चाइना ओपन 2025 : कोको गॉफ का सफर सेमीफाइनल में थमा, अमांडा एनिसिमोवा ने दी करारी शिकस्त

बीजिंग। अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ की चाइना ओपन में खिताब बचाने की उम्मीदें शनिवार को समाप्त हो गई। सेमीफाइनल में उनकी हमवतन और तीसरी वरीय अमांडा एनिसिमोवा ने उन्हें 58 मिनट के भीतर सीधे सेटों में 6-1, 6-2 से मात दी। गॉफ, जिन्होंने पिछले साल चाइना ओपन का खिताब जीता था, इस बार अपनी लय में नजर नहीं आईं और एनिसिमोवा ने आक्रामक खेल दिखाते हुए उन्हें कोई मौका नहीं दिया। अमांडा ने शानदार सर्विस और बेसलाइन से ताकतवर शॉट्स खेलकर मुकाबले पर पूरी तरह से नियंत्रण बनाए रखा। इस जीत के साथ अमांडा एनिसिमोवा ने फाइनल में जगह बना ली। अब उनका सामना पांचवीं वरीय जेसिका पेगुला और लिंडा नोसकोवा के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से होगा। गॉफ की इस हार से टूर्नामेंट का खिताबी समीकरण और भी दिलचस्प हो गया है क्योंकि एनिसिमोवा इस समय बेहतरीन फॉर्म में दिखाई दे रही हैं और फाइनल में उनके खेल पर सबकी नजरें टिकी रहेंगी।

शुभमन एकदिवसीय में रोहित के सबसे अधिक स्कोर का रिकार्ड तोड़ सकते हैं : बांगर

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर और कोच संजय बांगर का मानना है कि युवा बल्लेबाज शुभमन गिल आने वाले समय में एकदिवसीय में रोहित शर्मा के 264 रनों के विश्व रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। बांगर ने कहा कि अगर शुभमन टिककर अंत तक बल्लेबाजी करें तो निश्चिय ही रोहित का रिकार्ड तोड़ देंगे क्योंकि उनके पास अच्छी तकनीक होने के साथ ही उनका स्ट्राइक रेट भी अच्छा है। बांगर के अनुसार जिस प्रकार से शुभमन ने टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन किया है उसको देखते हुए ये तय है कि वह आगे भी इसी प्रकार खेलेंगे। शुभमन ने अब तक 55 एकदिवसीय मैचों में आठ शतक और 15 अर्धशतक के साथ ही 2,755 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 208 रन है, जो उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ केवल 149 गेंदों में बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 19 चौके और नौ छक्के लगाये थे।

बांगर का मानना है कि गिल अगर टिककर लंबी पारी खेलते हैं तो वह रोहित का रिकॉर्ड तोड़ने में पीछे नहीं रह सकते हैं। उनके मुताबिक गिल की तकनीक, स्ट्राइक रेट और धैर्य उन्हें यह बड़ा रिकॉर्ड हासिल करने के लिए तैयार बनाते हैं। क्रिकेट विशेषज्ञ इसे एक चुनौतीपूर्ण लेकिन संभव मिशन मान रहे हैं। वहीं बांगर ने आक्रामक सलामी बल्लेबाजा अभिषेक शर्मा की भी जमकर प्रशंसा की है। बांगर ने कहा कि अभिषेक युवराज सिंह के 2007 टी20 विश्व कप अर्धशतक के रिकॉर्ड को भी तोड़ सकते हैं।

पैरा चैंपियनशिप : कियारा रोड्रिग्ज ने रचा इतिहास, चौथी बार जीता लंबी कूद का स्वर्ण पदक

नयी दिल्ली: इक्वाडोर की कियारा रोड्रिग्ज ने इंडियनऑयल नयी दिल्ली पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप 2025 में लगातार चौथी बार महिलाओं की लंबी कूद टी-47 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। कियारा ने 6.29 मीटर की छलांग लगाई, जबकि हंगरी की पेट्रा लुटेरन (5.98 मीटर) ने रजत और डेनमार्क की ब्योर्कर नोएरेमाकर (5.84 मीटर) ने कांस्य पदक हासिल किया। भारत की निमिषा सुरेश चक्कुंगलपरम्बिल ने 5.74 मीटर की छलांग के साथ एशियाई रिकॉर्ड बनाया, लेकिन बेहतर प्रदर्शन न कर पाने के कारण पोडियम से चूक गईं और चौथे स्थान पर रहीं। कियारा इससे पहले 100 मीटर टी-47 में भी स्वर्ण जीत चुकी हैं और तिहरा पदक हासिल करने की कोशिश में हैं। इस बीच, अमेरिका के माइकल ब्रैनिगन ने पुरुषों की 1500 मीटर टी-20 और ईरान के अली बाजियारशूरिजेह ने पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते। पदक तालिका में ब्राज़ील (12 स्वर्ण) शीर्ष पर कायम है, जबकि चीन 40 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर और भारत (6 स्वर्ण, 5 रजत, 4 कांस्य) चौथे स्थान पर है।

अभिषेक बोले, युवराज के लगाये प्रशिक्षण सत्र से बल्लेबाजी में आया निखार : अभिषेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से धूम मचाने वाले युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने इस सफलता का श्रेय अपने गुरु युवराज सिंह को दिया दिया है। अभिषेक के अनुसार कोरोना संक्रमण के दौर में जब लॉकडाउन लगा था और सभी खेल मुकाबले रुक गये थे तब युवराज ने उन्हें प्रशिक्षण दिया था जिसका लाभ अब उन्हें मिला है। तब अभ्यास के दौरान युवराज ने कहा था कि तुम जल्द ही भारतीय टीम के लिए मैच जीतोगे। अभिषेक के अनुसार अब उनकी कही बातें सही साबित हो रही हैं। अभिषेक ने एक शो में कहा कि युवराज की देखरेख में जिस प्रकार से उन्होंने अभ्यास किया उससे उनकी बल्लेबाजी तकनीक बेहतर हुई।

इसी कारण वह एशिया कप में सबसे ज्यादा रन बनाने में भी सफल रहे। इस युवा बल्लेबाज ने कहा, मैं युवराज का बहुत शुक्रगुजार हूं। लॉकडाउन के दौरान उन्होंने प्रशिक्षण सत्र रखा था जिसमें मेरे अलावा शुभमन गिल और प्रभसिमरन सिंह व अनमोलप्रीत सिंह आदि थे। तब मैं संघर्ष कर रहा था। यहां तक कि आईपीएल की अपनी टीम में भी अंतिम ग्यारह में जगह बनाना आसान नहीं हो रहा था। वहीं शुभमन को भारतीय टीम में जगह मिल गयी थी।

आईपीएल में निरंतरता में कमी के कारण मैं अंतिम ग्यारह में अपनी जगह पक्की नहीं कर पा रहा था। वहीं शुभमन पहले से ही भारत के लिए खेल रहा था। तब मुझे ऐसा लगना शुरू हो गया कि मैं पीछे रह गया हूं क्योंकि मेरे समूह के सभी लोग पहले ही अच्छा कर रहे थे। तभी युवराज ने कहा था कि वह मुझे भारत के लिए मैचों को जीतने के लिए तैयार कर रहे हैं और ऐसा दो से तीन साल में ही हो जाएगा। उसे सत्र के बाद मैंने महसूस किया कि मेरा लक्ष्य तो कुछ और ही था। साथ ही कहा कि अभ्यास के दौरान युवराज परे समय साथ रहते थे और रिकार्डिंग तक दिखकर गलतियां बताते थे।

संक्षिप्त समाचार

75 लाख डॉलर में बिकी फ्रांसिस की कलाकृति

लंदन , एजेंसी। गोवा के मशहूर चित्रकार फ्रांसिस न्यूटन सूजा की कलाकृति 'हाउसेज इन हैम्पस्टेड' ने कला जगत में नीलामी का नया रिकार्ड बनाया है। लंदन में सोथबी की नीलामी में यह कलाकृति 75 लाख डॉलर से अधिक राशि में बिकी, जो इसकी निर्धारित कीमत से लगभग सात गुना अधिक है। इस दौरान, विभिन्न कलाकृतियों की बिक्री से कुल 2.55 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि हासिल हुई।

आयरलैंड : भारतीय दूतावास ने धूमधाम से मनाई गांधी जयंती

डबलिन, एजेंसी। आयरलैंड की राजधानी डबलिन स्थित भारतीय दूतावास में बृहस्पतिवार को महात्मा गांधी की 156वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर भारतीय राजदूत अखिलेश मिश्र ने कहा कि भारतीय समाज में फैलती बहुआयामी असहिष्णुता और बढ़ते विद्वेषपूर्ण राजनीतिक ध्रुवीकरण को शांत करने के लिए गांधी जी के तीन अराजनीतिक विचार अत्यन्त प्रासंगिक हैं। विरोधियों और आलोचकों के साथ सम्मानजनक संवाद : गांधी को जनता की बेहद सराहना मिलती थी क्योंकि उन्होंने आलोचकों के साथ बातचीत और बहस में हमेशा उचित सम्मान और शिष्टता का परिचय दिया। महात्मा गांधी ने साहसपूर्वक कहा था, महिला को कमजोर कहना अपमान है। यह पुरुष द्वारा महिला के प्रति अन्याय है। इसके साथ ही गांधी जी ने देश ?को आत्म-विश्वास का भी मंत्र दिया।

ट्रंप बोले- कैरिबियन ड्रग कार्टेल गैरकानूनी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कैरिबियाई क्षेत्र में सक्रिय ड्रग कार्टेल को अवैध लड़ाके घोषित किया है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका अब गैर-अंतरराष्ट्रीय सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में है। अमेरिकी रक्षा विभाग- पेंटागन ने इस फैसले के बारे में कांग्रेस को सूचित भी कर दिया है। बता दें कि पिछले महीने अमेरिकी सेना ने कैरिबियाई समुद्र में तीन घातक हमले किए थे, जिनमें दो नावें वेनेजुएला से आई थीं। यह कदम ड्रग तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। ट्रंप प्रशासन का यह निर्णय क्षेत्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय कानून के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पीएम स्टार्मर ने यहूदी धर्मस्थल पर हमले की निंदा की

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने मैनचेस्टर के एक सिनेगॉग (धर्मस्थल) पर यहूदियों को निशाना बनाकर किए गए हमले की निंदा की और इसे घृणित बताया। इस हमले में एक व्यक्ति ने कार से लोगों को कुचलने और चाकू से हमला करने की वारदात को अंजाम दिया। हिंसा में दो लोगों की मौत हुई है, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हुए। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने यहूदी समुदाय की सुरक्षा बढ़ाने का वादा किया और कहा, ब्रिटेन एक ऐसा देश है जहां सभी सुरक्षित और सम्मानित महसूस करेंगे। उन्होंने होलोकॉस्ट का उल्लेख करते हुए यहूदियों को ब्रिटेन में शरण पाने की ऐतिहासिक भूमिका को भी याद किया।

इस्राइली नौसेना ने गाजा की नाकाबंदी तोड़ने की कोशिश कर रही फ्लोटिला को रोका ; कई कार्यकर्ता गिरफ्तार

गाजा, एजेंसी। इस्राइली नौसेना ने भूमध्य सागर में गाजा की नाकाबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहे 450 अंतरराष्ट्रीय कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। इनमें यूरोपीय सांसद भी शामिल हैं। यह ग्लोबल सुमूद फ्लोटिला के माध्यम से फलस्तीनी लोगों की मदद करने आ रहे थे। बीते दो साल में अब तक के सबसे बड़े प्रयास के तौर पर उभरे इस फ्लोटिला को प्रतीकात्मक मानवीय सहायता और इस्राइल की मुखालफत के तौर पर भी देखा जा रहा है। इस्राइल ने इसे रोकने के बाद अशदोद बंदरगाह पर 600 पुलिसकर्मियों को तैनात कर कार्यकर्ताओं की पहचान और प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू की। यह कार्रवाई यहूदी धर्म के सबसे पवित्र दिन योम किप्पुर पर हुई। इस घटना के बाद दुनिया भर में विरोध प्रदर्शन भी हुए। इटली की सबसे बड़ी यूनियन ने हड़ताल का आह्वान किया। पेरिस और बार्सिलोना में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें भी हुईं। कार्यकर्ताओं ने फ्लोटिला को गाजा की नाकाबंदी और नरसंहार के खिलाफ वैश्विक चेतना जगाने का प्रयास बताया।

पाक ने ट्रंप का शांति प्रस्ताव ठुकराया कहा- ये मसौदा हमारा नहीं है इसे बदला गया है

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान कब किसके साथ गद्दारी कर दे कोई नहीं जानता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान की सेना प्रमुख आसिम मुनीर को व्हाइट हाउस बुलाकर साथ में डिनर किया और गलबहियां डालकर फोटो सेशन कराया। इसके बाद आवभगत से गदगद मुनीर ने ट्रंप के लिए नोबेल पुरस्कार की मांग कर डाली। अब इसी पाकिस्तान ने राष्ट्रपति ट्रंप के गाजा शांति प्रस्ताव को ठुकरा दिया है।

पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने अपने देश को औपचारिक रूप से इससे अलग करते हुए कहा है कि यह दस्तावेज हमारा नहीं है और इसमें हमारे मूल मसौदे में बदलाव किए गए हैं। डार का यह बयान संसद में आया, जिससे पाकिस्तान इस प्रस्ताव से आधिकारिक रूप से दूरी बनाने वाला पहला बड़ा देश बन गया है। आपको बता दें कि इस प्रस्ताव को हमास ने मंजूर कर लिया है। डार ने कहा कि अमेरिका द्वारा घोषित यह शांति योजना उस मसौदे से अलग है जो मुस्लिम देशों ने संयुक्त रूप से तैयार किया था। उन्होंने कहा, यह हमारा ड्राफ्ट नहीं है। इसमें जो संशोधन किए गए हैं, वे हमारी सहमति से नहीं हुए।

सूत्रों के अनुसार, इस सख्त रुख के पीछे पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर की मंजूरी है। सेना नहीं चाहती कि इस योजना को किसी भी रूप में अमेरिकी या इजराइली हितों को मान्यता देने वाला समझा जाए। रिपोर्ट में खुफिया सूत्रों के हवाले से कहा है कि यह बयान पाकिस्तान सरकार की फेस-सेविंग एक्सरसाइज का हिस्सा है ताकि जनता के बीच यह संदेश जाए कि इस्लामाबाद ने अमेरिकी दबाव के आगे झुकने से इनकार कर दिया है। इस रुख से पाकिस्तान यह भी संदेश देना चाहता है कि वह मुस्लिम देशों की एकजुटता से अलग नहीं हो रहा और न ही मुस्लिम मकसद को बेच रहा है। सूत्रों का कहना है कि हालांकि सार्वजनिक रूप से पाकिस्तान इस प्रस्ताव को खारिज कर रहा है, परंतु पर्दे के पीछे वह अमेरिका और अरब के साथ कूटनीतिक संवाद जारी रखेगा। जानकारों का कहना है कि पाकिस्तान का यह कदम घरेलू राजनीतिक और धार्मिक दबाव को ध्यान में रखकर उठाया गया है। पाकिस्तान के भीतर मौजूद कट्टरपंथी और प्रोपैलेस्टाइन लॉबी किसी भी ऐसी योजना का विरोध कर रहे हैं जिसमें हमास के निरस्त्रीकरण या इजरायल की आंशिक मान्यता जैसी बातें शामिल हों।

अमेरिका ने लगाया दाढ़ी पर प्रतिबंध, कई सैनिकों, मुस्लिमों और यहूदियों के लिए संकट

वाशिंगटन। अमेरिका ने नई ग्रूमिंग नीति के तहत दाढी रखने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इससे धर्म के आधार पर दाढ़ी रखने वाले सैनिकों की नौकरी भी खतरे में आ गई है। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ द्वारा जारी हालिया मेमो के तहत सैन्य दाढ़ी रखने की छूट को लगभग समाप्त कर दिया गया है, जिससे धार्मिक आधार पर दाढ़ी रखने वाले सैनिकों की सेवा पर संकट मंडरा रहा है। यह नीति 2010 से पहले की मानकों पर लौटने का आदेश देती है, जिसमें दाढ़ी की छूट की सामान्यत : अनुमत नहीं होगी। हालांकि इससे पहले 2017 में भी कुछ तरह के निर्देश दिए गए थे, बाद में सिख सैनिकों के लिए दाढ़ी और पगड़ी की स्थायी छूट को औपचारिक रूप दिया था। इसी तरह, मुस्लिम, ऑर्थोडॉक्स यहूदी और नॉर्स पगान सैनिकों को धार्मिक आधार पर छूट मिली हुई थी। जुलाई 2025 में सेना ने चेहरे के बालों की नीति को अपडेट किया था, लेकिन धार्मिक छूट को सुरक्षित रखा था। हालांकि, नई नीति इन प्रगतिशील बदलावों को उलट रही है, जो 1981 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले गोल्डमैन बनाम वेनबर्गर से प्रेरित सख्त ग्रूमिंग नियमों पर लौट रही है। यह नीति केवल सिखों तक सीमित नहीं है। मुस्लिम सैनिकों के लिए दाढ़ी धार्मिक दायित्व है, जबकि ऑर्थोडॉक्स यहूदियों के लिए पायोट और दाढ़ी पवित्र हैं। काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशंस (सीएआईआर) ने हेगसेथ को पत्र लिखकर स्पष्टता की मांग की है- क्या मुस्लिम, सिख और यहूदी सैनिकों की धार्मिक स्वतंत्रता संरक्षित रहेगी? सीएआईआर ने प्रथम संशोधन का हवाला देते हुए कहा कि लंबे समय से पेंटागन की नीतियां इन अधिकारों को मान्यता देती रही हैं।काले सैनिकों पर भी असर पड़ सकता है, क्योंकि छद्म फॉलिकुलाइटिस बार्बे (रेजर बंप्स) के कारण चिकित्सकीय छूट अब स्थायी नहीं रहेगी। इंटरसेप्ट के अनुसार, यह नीति नस्ल और धर्म पर आधारित बहिष्कार को बढ़ावा देती है। नॉर्स पगान सैनिकों ने भी इसे अपनी मान्यताओं के खिलाफ बताया है। इस मामले में सिख कोअलिशन, जो अमेरिकी सैन्य में सिखों के अधिकारों के लिए प्रमुख वकालत संगठन है, उसने हेगसेथ की टिप्पणियों पर क्रोधित और गहरी चिंता व्यक्त की है।

ब्रिटेन में यहूदी प्रार्थना स्थल के बाहर आतंकी हमला:2 की मौत, 3 घायल

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के मैनचेस्टर में गुरुवार को एक यहूदी प्रार्थना स्थल (सिनागॉग) के बाहर आतंकी हमला हुआ। इसमें दो यहूदियों की मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, क्रम्प्सल इलाके में कई यहूदी योम किप्पुर त्योहार पर प्रार्थना के लिए इकट्ठा हुए थे। इसी दौरान हमलावर ने उन पर कार चढ़ा दी और फिर गोलीबारी करने लगा।

पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए हमलावर का एनकाउंटर कर दिया, जिसमें उसकी मौत हो गई। योम किप्पुर के दिन यहूदी अपने पिछले गलत कामों के लिए माफी मांगते हैं और प्रार्थना करते हैं।

ब्रिटिश पीएम इमरजेंसी कोबरा टीम के साथ बैठक करेंगे : ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस हमले को बेहद डरावना बताया और पुलिस की तारीफ की। स्टार्मर डेनमार्क से जल्दी लौट रहे हैं ताकि ब्रिटेन की इमरजेंसी कोबरा टीम के साथ बैठक कर सकें। उन्होंने एक्स पर लिखा- यह हमला योम किप्पुर जैसे पवित्र दिन पर हुआ, जो इसे और भी भयानक बनाता है। मेरी संवेदनाएं घायलों के परिवारों के साथ हैं। मैनचेस्टर के मेयर एंडी बर्नहैम ने कहा कि हमलावर की मौत हो गई है। पुलिस भी इसकी पुष्टि कर चुकी है। मेयर बर्नहैम ने लोगों से हमले वाले इलाके में न जाने की अपील की है।

हमले को आतंकवादी घटना घोषित किया गया : ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस ने इसे आतंकवादी घटना घोषित किया है। काउंटर-टेररिज्म टीम मामले की जांच कर रही है। हमलावर की पहचान हो चुकी है, लेकिन नाम सार्वजनिक नहीं किया गया। दो अन्य संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। पूरे देश में यहूदी समुदायों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। ब्रिटिश किंग चार्ल्स ने कहा कि यह घटना हमें गहरा सदमा पहुंचा रही है, खासकर यहूदियों के इस खास दिन पर। वहीं, यहूदी संगठन कम्युनिटी सिक्योरिटी ट्रस्ट ने कहा कि यह हमला ब्रिटेन में बढ़ते यहूदी-विरोधी माहौल का हिस्सा लगता है।

बांग्लादेश में दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न, भक्ति और उत्सव का दिखा माहौल

ढाका, एजेंसी। नवरात्र का पर्व भारत में हर्षोल्लास के साथ विजयदशमी के दिन पूरा हुआ। पड़ोसी मुल्क- बांग्लादेश में भी पांच दिवसीय दुर्गा पूजा उत्सव गुरुवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने पूरे देश में देवी की मूर्तियों को नदियों में विसर्जित किया। ढाका में हजारों लोग बुरीगंगा नदी पर एकत्र हुए और मंत्रोच्चार व पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ देवी को विदाई दी। इस वर्ष 33,355 पूजा मंडप स्थापित किए गए, जिनमें से 258 ढाका में थे। अंतरिम सरकार ने पूजा के लिए 5 करोड़ टका का अनुदान दिया।

हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने सुरक्षा में सहयोग के लिए सेना का आभार जताया, हालांकि 64 जिलों में से 14 में कुछ बाधाओं की खबरें भी सामने आईं। परिषद ने अंतरिम प्रमुख प्रो. मुहम्मद यूनुस की उस टिप्पणी की निंदा की जिसमें उन्होंने हिंदुओं पर अत्याचार की खबरों को फर्जी बताया। बता दें कि हालिया दिनों में भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव बढ़ा है, और भारत ने अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों पर चिंता जताई है।

उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में विस्फोट, 4 पुलिसकर्मियों सहित 9 लोग घायल : पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के पेशावर शहर में गुरुवार को एक पुलिस वैन को निशाना बनाकर बम धमाके हुए। इसमें कम से कम नौ लोग घायल हो गए। घायलों में चार पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। घटना बाना मारा क्षेत्र में हुई, जहां वैन सड़क किनारे लगाए गए आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) से टकरा गई। एक पुलिसकर्मी की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस प्रमुख डॉ. मियां सईद ने बताया कि जांच जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि विस्फोट रिमोट-कंट्रोल डिवाइस से हुआ या आईईडी से। घटनास्थल से सबूत जुटाए जा रहे हैं।

बवाल के बाद घुटने पर शरीफ सरकार, बातचीत के लिए भेजा आठ सदस्यीय दल; दस लोगों की हो चुकी है मौत

मुजफ्फराबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में बीते कई दिनों से चल रहे हिंसक प्रदर्शन के चलते हालात बेकाबू और बेहद तनावपूर्ण बने हुए है। इन प्रदर्शनों में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की कार्रवाई से अब तक कम से कम दस लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। ऐसे में हिंसा के दिन-प्रतिदिन बढ़ते स्वरूप के मद्देनजर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ हरकत में आते हुए नजर आ रहे है। इसके तहत उन्होंने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए एक उच्चस्तरीय वार्ताकार समिति को पीओजेके भेजा है।

बता दें कि प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ की तरफ से भेजी गई आठ सदस्यीय समिति में केंद्रीय मंत्री अहसन इकबाल, आमिर मुकाम,

सरदार मोहम्मद यूसुफ, राणा सनाउल्ला, डॉ. तारिक फजल चौधरी, पीपीपी के नेता राजा परवेज अशरफ, क़मर जमां कैरा पूर्व पीओजेके राष्ट्रपति सरदार मसूद खान और इनके साथ पीओजेके के प्रधानमंत्री चौधरी अनवरुल हक भी शामिल है। यह समिति जम्मू-कश्मीर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेकेजेएएसी) के प्रतिनिधियों से वार्ता कर रही है, जो वहां के जन आंदोलन का नेतृत्व कर रही है। वार्ता गुरुवार को मुख्य सचिव कार्यालय के कमेटी रूम में शुरू हुई और देर रात तक चली। शुक्रवार को भी बातचीत जारी रहने की उम्मीद है। क्या है लोगो की मांग, पहले ये समझिए अब पीओजेके के लोगों की मांग की बात करे तो जेकेजेएएसी के नेता शौकत नवाज मीर ने बताया कि पीओजेके के लोगों की प्रमुख मांगों में 12 रिफ्यूजी सीटों को खत्म करना, वीआईपी और एलीट वर्ग को मिलने वाली विशेष सुविधाएं बंद करना, जून 2019 के हाईकोर्ट के फैसले को लागू करना, हेल्थ कार्ड योजना लागू करना शामिल है। इसके अलावा, आंदोलनकारियों की मांग है कि मुजफ्फाराबाद, धिरकोट और अन्य इलाकों में मारे गए निर्दोष प्रदर्शनकारियों की हत्या के दोषियों को गिरफ्तार कर सजा दी जाए। अब जानें कब और कैसे शुरू हुआ प्रदर्शन? गौरतलब है कि प्रदर्शन पीओजेके में लगातार बढ़ती महंगाई, बिजली संकट और बुनियादी सुविधाओं की कमी के खिलाफ शुरू हुआ।

आंदोलन ने उस समय उग्र रूप ले लिया जब सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की, जिसमें कई लोग मारे गए। गुरुवार को भी क्षेत्र में पूरी तरह शटर डाउन और व्हील-जाम हड़ताल रही। सोमवार से संचार सेवाएं भी ठप हैं। हालांकि गुरुवार को किसी नए हिंसक घटना की खबर नहीं आई।

नोबेल की जुगाड़ में लगे ट्रंप के दूसरे नेता ले रहे हैं मजे, उड़ा दी खिल्ली

मास्को, एजेंसी। नोबेल पुरस्कार की कोशिश में जुटे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फिसलती जुबान चर्चा का विषय बन गई है। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान अल्बेनिया, आर्मेनिया और फ्रांस के नेताओं को ट्रंप के बयान को मजाकिया अंदाज में दोहराते हुए देखा गया। खास बात है कि ट्रंप लगातार दावा कर रहे हैं कि उन्होंने 7 युद्ध रुकवाने में सफलता हासिल की है।

कोपेनहेगन में जुटे यूरोपीय नेताओं की बातचीत में ट्रंप का भी जिक्र आया। मीडिया रिपोर्ट्स के अुसार, अल्बेनिया के प्रधानमंत्री ईदी रामा ने मजाकिया अंदाज में फ्रांस के राष्ट्रपति इमेनुएल मैक्रों और अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलियेव से कहा, आपको माफी मांगने चाहिए... क्योंकि आपने हमें राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से कराई गई अल्बेनिया और अजरबैजान की डील पर शुभकामनाएं नहीं दी। यह सुनते ही एक ओर जहां अलियेव हंसने लगे। वहीं, मैक्रों ने कहा, मैं इस बात के लिए माफी मांगता हूं। दरअसल, ट्रंप ने आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच शांति समझौता कराया था। दोनों देशों के बीच अगस्त में वाइट हाउस में ही डील साइन हुई थी। अब ट्रंप कई मौकों पर आर्मेनिया की जगह अल्बेनिया कह चुके हैं। बीते महीने एक टीवी चैनल पर उन्होंने कहा था, मैं ऐसे युद्ध खत्म कराए हैं, जिन्हें खत्म करना नामुमकिन था। अजरबैजान और अल्बेनिया में कई सालों से चल रहा था। मैं प्रधानमंत्रियों और राष्ट्रपतियों को अपने दफ्तर लेकर आया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भी ट्रंप ने कहा था, हमने अबर-बैजान और अल्बानिया के मुद्दे का समाधान कराया। अब यहां उन्होंने एक देश का नाम ही गलत लिया और दूसरे देश का नाम ठीक से नहीं ले पाए। भारत और पाकिस्तान के भी कर रहे हैं दावे ट्रंप ने 10 मई को जब सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वॉशिंगटन की मध्यस्थता में हुई बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल संघर्ष विराम के लिए सहमत हो गए हैं, तब से उन्होंने लगभग 50 बार यह दावा दोहराया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव घटाने में मदद की है। भारत ने हालांकि, किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से लगातार इनकार किया है। उसने लगातार कहा कि पाकिस्तान के साथ शत्रुता समाप्त करने पर सहमति दोनों सेनाओं के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच सीधी बातचीत के बाद बनी।

नई दिल्ली में, विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने इस बैठक का संज्ञान लिया है। भारत ने यह भी कहा कि आतंकवाद जैसे मुद्दों पर पाकिस्तान के साथ उसकी बातचीत में किसी तीसरे पक्ष की भागीदारी की कोई गुंजाइश नहीं है, क्योंकि उसका मानना ??है कि ये द्विपक्षीय ही रहनी चाहिए।

अब मोरक्को में जेन जी का गुस्सा भड़का:कहा- हॉस्पिटल नहीं और वर्ल्ड कप पर 10 अरब डॉलर फूंक रहे

रबात, एजेंसी। उत्तरी अफ्रीकी देश मोरक्को में स्वास्थ्य और शिक्षा सुधारों की मांग को लेकर भड़का जेन जी आंदोलन हिंसक हो गया। राजधानी रबात में प्रदर्शनकारियों ने बैंक फूंक दी। कई दुकानों-गाड़ियों में तोड़फोड़ की। आगादिर शहर में पुलिस की गोली से 3 युवाओं की मौत हो गई। वहीं एक हजार से ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए। 354 लोग घायल हुए हैं, जिनमें अधिकतर सुरक्षाकर्मी हैं। मंत्रालय के मुताबिक, लगभग 70% प्रदर्शनकारी नाबालिग थे। मोरक्को की सरकार 2030 फीफा वर्ल्ड कप और अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के लिए 10 अरब डॉलर (करीब 8.8 लाख करोड़ रुपए) खर्च कर रही है। जबकि देश में सरकारी अस्पतालों में सुविधाओं की भारी कमी है। मोरक्कों में भी प्रदर्शनकारियों का कोई नेता नहीं सीएनएन के मुताबिक युवाओं के नेतृत्व वाले इस विरोध आंदोलन को जेन जी 212 कहा जा रहा है। 212 मोरक्को के इंटरनेशनल टेलीफोन डायलिंग कोड है। विदेश से मोरक्को में किसी को कॉल करने पर नंबर के पहले +212 लगाते हैं। नेपाल की तरह भी मोरक्को में भी विरोध प्रदर्शन करने वाले युवाओं का कोई लीडर नहीं है। लोग सोशल मीडिया के जरिए से रैली कर रहे हैं। मोरक्को में बेरोजगारी दर 12.8% है, जिसमें युवा बेरोज़गारी 35.8% और स्नातकों में 19% तक पहुंच गई है। मोरक्को में 1430 लोगों पर एक डॉक्टर है, जो दुनिया के औसत (590) से ढाई गुना कम है। आगादिर के हसन-2 हॉस्पिटल में 8 महिलाओं मौत हो गई। इसे 'डेथ हॉस्पिटल' कहा जा रहा है। डिस्कॉर्ड-टिकटॉक ऐप से आंदोलन यह आंदोलन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे टिकटॉक और डिस्कॉर्ड पर शुरू हुआ था। पिछले रविवार को प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी के बाद इसे और समर्थन मिलने लगा। गिरफ्तार हुए लोगों में मोरक्को के स्टार गोलकीपर यासीन बौनू और प्रसिद्ध रैपर एल ग्रांडे टोटो भी शामिल हैं। इसके बाद बुधवार को हिंसक प्रदर्शन तेज हो गए। राजधानी रबात, मुख्य वाणिज्यिक शहर कैसाब्लांका और बंदरगाह शहर टैंजियर में भी विरोध प्रदर्शन हुए। स्थानीय मीडिया ने बताया कि पर्यटन केंद्र माराकेश में भी हिंसा हुई और प्रदर्शनकारियों ने एक पुलिस स्टेशन को आग लगा दी। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता रशीद अल खल्फी ने बताया कि अशांति के बाद पूरे मोरक्को में 409 लोगों को हिरासत में लिया गया।

यूक्रेन के सैन्य ठिकानों और गैस साइट्स पर रूस ने जमकर की गोलाबारी, मिसाइलें भी दागीं

कीव (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन की जंग बीते साढ़े 3 साल से जारी है। शांति के प्रयास नाकाम रहे हैं,जिसे जैसा मौका मिलता है वैसा हमला कर देता है। बीती रात रूस ने यूक्रेन के कई सैन्य ठिकानों, गैस साइट्स पर गोलाबारी की और कहीं कहीं भी मिसाइलें दागी। कुल मिलाकर दोनों देश एक-दूसरे की सैन्य ठिकानों या ऊर्जा संरचनाओं को निशाना बनाकर अपने दुश्मन को आर्थिक रूप से कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को रूसी सेना ने कई यूक्रेनी सैन्य ठिकानों और गैस संरचनाओं को निशाना बनाया।

वहीं, यूक्रेनी की तरफ से भी इस हमले की पुष्टि की गई है। यूक्रेन की सरकारी ऊर्जा कंपनी नैफ्टोगैज ने इस हमले को देश के गैस संरचनाओं पर अब तक का सबसे बड़ा हमला बताया। कंपनी की तरफ से कहा गया कि रूस की तरफ से किए गए हमलों में उसे काफी गंभीर नुकसान हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रातभर कई प्लेटफार्म्स से मिसाइलें और लंबी दूरी के ड्रोन यूक्रेन के ऊपर दागे गए। इन ड्रोन्स और मिसाइल ने बखूबी अपने लक्ष्यों को भेदा और अपना मिशन सफल बनाया। इस हमले को लेकर यूक्रेनी वायुसेना की तरफ से बताया गया कि इसें रूस 810 ड्रोन्स के अलावा चार बैलिस्टिक मिसाइलें और नौ क्रूज मिसाइलें दागीं थीं। यूक्रेनी सेना के मुताबिक यह हमला जुलाई में किए गए हमले से भी काफी भयानक था। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूस की तरफ से किए गए इस हमले को कायरता पूर्ण करार दिया था। उन्होंने कहा, ऐसी हत्याएं अब हो रही हैं, जबकि वास्तविक कूटनीति बहुत पहले शुरू हो सकती थी, यह एक जानबूझकर किया गया अपराध है और युद्ध को लम्बा खींचने जैसा है। जेलेंस्की ने कहा, दुनिया क्रेमलिन के अपराधियों को हत्याएं बंद करवा सकती है, हमें बस राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत है।

7 सितंबर को भी रूस ने दागी थी मिसाइलें

रूस की तरफ से लगातार यूक्रेन पर इसी तरीके से हमले किए जा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 7 सितंबर को रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव के ऊपर ड्रोन्स और मिसाइलों के जरिए हमला बोला था। इस हमले की वजह से कीव में कुल 11 घंटों तक सायरन बजता रहा था। इस हमले के दौरान रूस ने करीब 800 से ज्यादा ड्रोन तैनात किए थे,

जिनमें से ज्यादातर एयर डिफेंस सिस्टम ने मार गिराए थे लेकिन इसके बाद भी कई आवासीय भवनों और सरकारी इमारतों से जाकर फटे थे। इनकी वजह से राजधानी कीव में दो लोगों की मौत हो गई थी, इसमें एक बच्चा भी शामिल था।

मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक लव जैन द्वारा स्वास्तिका क्रिएशन, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से छपवाकर 400/12, जैकबपुरा, न्यू रेलवे रोड, अपोजिट वर्मा (ईएनटी) से प्रकाशित किया, संपादक लव जैन पीआरबी एक्ट के अंतर्गत रचनाओं के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का निपटारा गुड़गांव न्यायालय में होगा।